ISSN 2349-6614

अगस्त 2024

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

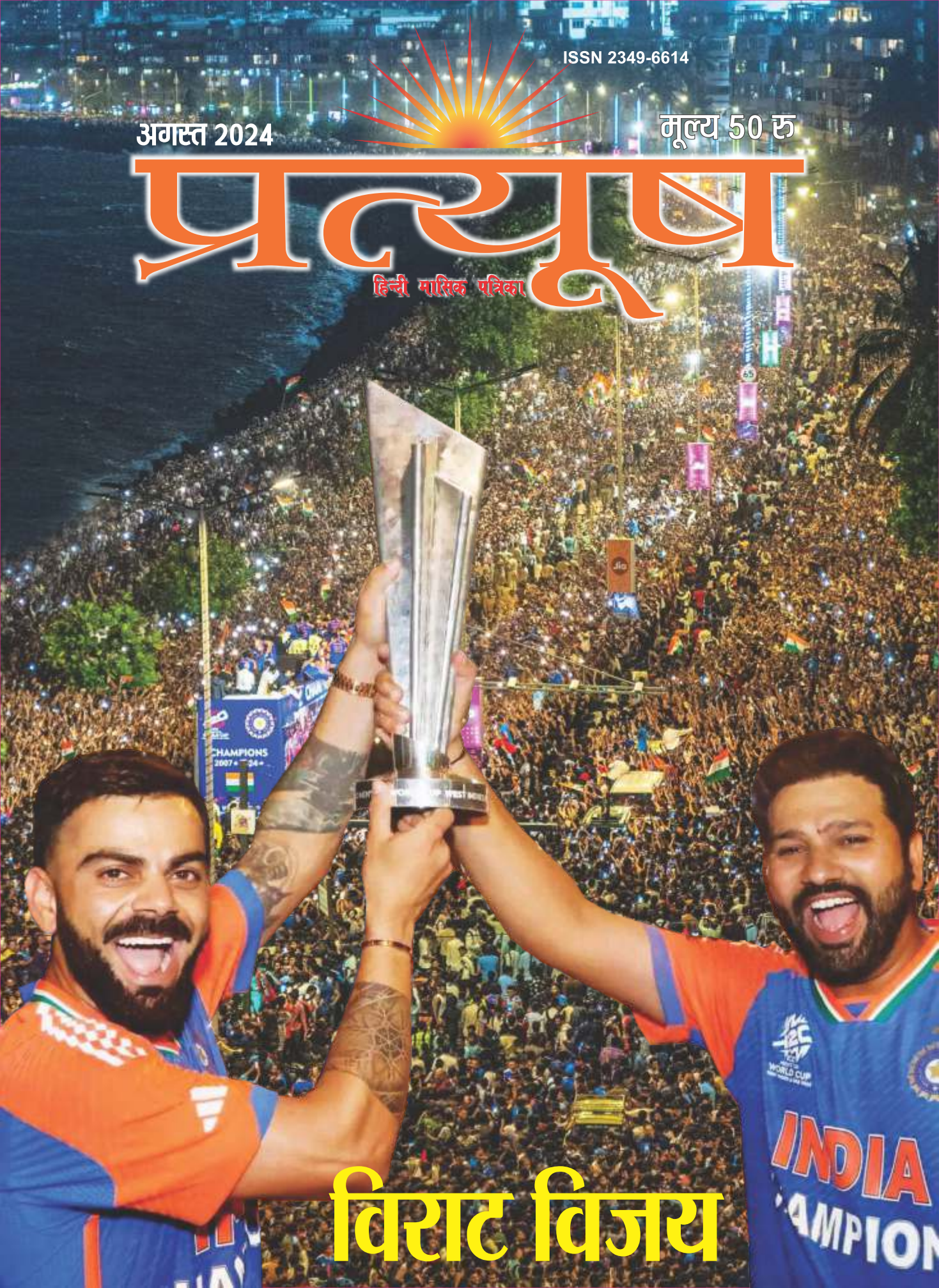

विराट विजय

DELHI PUBLIC SCHOOL, UDAIPUR

A CBSE & Cambridge Affiliated Day Cum Residential Sr. Sec. School Under the Aegis of The Delhi Public School Society, New Delhi

Address: Pratapnagar, Bypass Bhuwana, Udaipur (Raj.)-313001

- Ranked Amongst - Top 10 in India for Co-ed Day cum Boarding School.
- Recipient of Rajasthan School Leadership Award.

"LAYING THE FOUNDATION OF EXCELLENCE"

For Virtual Tour of The School scan the QR code

BAGLESS DAY
INTERNATIONAL AND NATIONAL TOUR
ART & THEATRE
MUSIC & DANCE
STORY TIME
Public Speaking
EDU SPORTS
NCC AIR WING NCC NAVAL & SCOUTS
POETRY & DEBATE
YOGA & MEDITATION
CLAY MODELLING
GARDENING
ENGLISH LANGUAGE LAB
ROBOTICS AI/ CODING
PHONETICS
FOREIGN EXCHANGE PROGRAMME

OLYMPIC LEVEL SHOOTING RANGE
SWIMMING
HORSE RIDING
SKATING
LAWN TENNIS
TAEKWONDO
BADMINTON
ATHLETICS
CRICKET
HOCKEY
FOOTBALL
JUDO
CHESS
AEROBICS
VOLLEYBALL
BASKETBALL

MERIT EARNS YOU PRIVILEGE(S)

- DIPSITE-11 : Special scholarships for meritorious students of classes XI & XII.
- NO Admission Fee For Girl Child of Class Prep to V.
- NO Admission fee for Pre - Primary.
- Special Scholarships for National level Sports Achievers.
- Exclusive exemption in fee for girl siblings.

Attractions

- National & International Trips for Students.
- Career Guidance for admission in Indian & FOREIGN UNIVERSITIES.
- Ideal teacher- Students ratio.
- Digital Learning module for each child on school ERP.
- NCC (Naval & Air Wing) Scouts & Guides.
- Smart board enabled class rooms for blended teaching.
- 24x7 security & surveillance and power backup.
- Transport available from all areas of Udaipur, including Dabok, Rajsamand, Nathdwara, Gogunda. (GPS Enabled)

CAMBRIDGE International Education
Cambridge International School
Affiliation No.: IA228a

CBSE
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION INDIA
Day Cum Residential Sr. Sec. School Under the Aegis of The Delhi Public School Society, New Delhi
Affiliation No.: 1730336

BOARDING HOUSE – *a home away from home*

Separate Hostel Facility For Boys & Girls (II to XII)

FREE in- campus coaching for competitive exams for classes VI to X

Superior transport facility for boarders to commute to coaching centres within the city (*)

*Terms & Conditions apply

Devout Prayer Time | Well Ventilated Rooms | Cafeteria | Regular Yoga Sessions | In House Medical Care

Evening Sports | Common Study Area | Workshop | Common TV Room | Well kept organic farms

+91-9929109052, 9929109054 email@dpsudaipur.com

अगस्त-2024 वर्ष 22 अंक 04

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

शहादत

डोडा में कैप्टन सहित चार जवान शहीद
पेज 08

सलाह

बारिश में त्वचा को संभाले
पेज 12

शिवार्चन

शिव से लें सबक बदल जाएगा जीवन
पेज 16

शख्सियत

सहमति-असहमति लोकतंत्र की असली ताकतः बिरला
पेज 22

विदेश

ब्रिटेन की सत्ता पर लेबर पार्टी का कब्जा
पेज 36

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

घर आंगन हो हरा-भरा

Keshav Nursery

All Type of Plants, Trees, Pots & Gardening Servises Available..

Plants

Trees

Pots

Outdoor Plants, Indoor Plants, Ornamental Plants,
Flower Plants, Trees, Fruit Plants, Bonsai, Air Plants,
Hanging Plants, Air Plants, Herbal Plants, Climbers,
Cactus and All other Trees Available.

Call- 9413317086, 9461389196 Email- keshavnursery@gmail.com
Address- Babel Sahab ki Badi, Opp. Navdeep School, Kalka Mata Road, Pahada, Udaipur
www.keshavnursery.co.in

तोड़ना होगा 'लोकल सपोर्ट नेटवर्क'

जम्मू कश्मीर के डोडा जिले के कठुआ में 15 जुलाई को सेना के काफिले पर हुआ आतंकवादी हमला इस बात की नए सिरे से पुष्टि करता है कि बदले हालात में आतंकी अपनी मौजूदगी का जल्द से जल्द और अधिकाधिक तीव्रता से अहसास कराना चाहते हैं। हाल के दिनों में अंजाम दी जा रही आतंकी घटनाओं में कुछ नए पैटर्न दिख रहे हैं जो कई लिहाज से गौर करने लायक हैं। इसी साल जम्मू क्षेत्र में छह बड़ी आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं।

जिस शातिराना अंदाज में आतंकी वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है, इसके लिए उपयुक्त स्थान और समय को चुना जा रहा है, वारदात के बाद आतंकवादी मौके से सुरक्षित निकल जा रहे हैं, यह सब बगैर स्थानीय समर्थन के संभव नहीं है। जाहिर है, वहां आतंकियों का एक लोकल सपोर्ट नेटवर्क खड़ा हो चुका है।

आतंकी खतरे के लिहाज से जम्मू को काफी हद तक सुरक्षित माना जाने लगा था। मगर पिछले दो-तीन माह से इस क्षेत्र में आतंकवादी हमले बढ़ने लगे हैं। डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन सहित चार जवानों की शहादत इसी का उदाहरण है। इस इलाके में जून-जुलाई में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की यह तीसरी बड़ी घटना थी। आतंकी अब जम्मू में लक्षित हमलों को भी अंजाम दे रहे हैं। जून में रियासी जिले में एक बस पर आतंकी हमले में नौ तीर्थयात्रियों के मारे जाने की घटना इनमें से एक है।

जम्मू क्षेत्र में बढ़ती आतंकी घटनाएं गंभीर चिंता का विषय है। इस आतंकी सक्रियता के पीछे सीमा पार बैठे आतंकी सरगनाओं की सोची-समझी चाल है। वे किसी भी सूरत में जम्मू-कश्मीर में स्थायी तौर पर अमन-चैन बहाल नहीं होने देना चाहते। डोडा जिले में मुठभेड़ की घटना कठुआ जिले के दूरस्थ माचेड़ी वन क्षेत्र में सेना के गश्ती दल पर आतंकी हमले के कुछ ही दिन बाद हुई है, जिसमें पांच सैनिक शहीद हो गए थे। गौरतलब है कि हाल में ज्यादातर मुठभेड़ की घटनाएं सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान के दौरान हुई हैं। यानी सुरक्षा बलों को क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना तो मिल जाती है, लेकिन वे किस तरह के हथियारों से लैस हैं और उनकी रणनीति क्या है, इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल पाती।

हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान इसलिए कहीं अधिक आघातकारी है, क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। हाल की घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकी हमलों का बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं बल्कि सेना को निशाना भी बन रहे हैं। इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। पिछले दिनों भारतीय सीमा से तार काट कर ले जाने की घटना भी गंभीर है। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।

हिंदी पट्टी में कांग्रेस की वापसी

जनाधार वाले नेता के तौर पर उभरे राहुल

पंकज कुमार शर्मा

लगातार दो लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस इस लोकसभा चुनाव में अपना प्रदर्शन सुधारने में सफल रही है। वर्ष 2009 के बाद पहली बार पार्टी सौ सीटों के आंकड़े के पास पहुंची है। वर्ष 2014 और 2019 में नेता प्रतिपक्ष का पद तक हासिल करने में कांग्रेस विफल रही थी। इस बार पार्टी ने मजबूत विपक्ष के तौर पर वापसी की है। लोकसभा चुनाव में इस प्रदर्शन के जरिए पार्टी अपने आलोचकों को जवाब देने में भी सफल रही है। वर्ष 2019 में 19.5 फीसदी वोट के साथ 52 सीट जीतने वाली कांग्रेस अपने वोट प्रतिशत में करीब चार फीसदी की वृद्धि करते हुए सौ का आंकड़ा छूने में सफल रही है। इसलिए, लोकसभा में नेता विपक्ष का पद मिलना तय था।

मजबूत वापसी के लिए तैयार

चुनाव रणनीतिकार मानते हैं कि इस परिणाम से तय हो गया है कि कांग्रेस आने वाले वक्त में मजबूत वापसी के लिए तैयार है। इस प्रदर्शन का असर कुछ माह बाद होने वाले हरियाणा सहित कई राज्यों के विधानसभा चुनाव पर भी पड़ेगा। वहीं, लगातार दो चुनावों में हार के बाद पार्टी नेताओं में मची भगदड़ भी कम होगी।

सबसे कम सीटों पर लड़ा चुनाव

इस चुनाव में कांग्रेस ने अपने इतिहास में सबसे कम सीट पर चुनाव लड़ा है। पार्टी ने 328 सीटों पर चुनाव लड़ा। 2019 में पार्टी ने 421 सीट पर चुनाव लड़ा था और उसे सिर्फ 52 सीट हासिल हुई थी। 2014 में 464 सीट पर चुनाव लड़कर कांग्रेस सिर्फ 44 सीट जीत पाई थी। ऐसे में पार्टी ने अपनी स्ट्राइक रेट में सुधार किया है।

बाधाओं को किया पार

कांग्रेस ने यह प्रदर्शन ऐसे वक्त किया है, जब कई बड़े नेता पार्टी का साथ छोड़ चुके थे। चुनाव के वक्त आयकर विभाग के बैंक खातों पर रोक लगाने से भी पार्टी का प्रचार शुरू होने में देरी हुई।

राजस्थान, यूपी-बिहार, हरियाणा में सीटें बढ़ीं

कांग्रेस के लिए यह प्रदर्शन इसलिए भी अहम है क्योंकि वह हिंदी भाषी राज्यों में प्रदर्शन सुधारने में सफल रही है। पार्टी ने राजस्थान, यूपी, बिहार और हरियाणा में अपनी सीट बढ़ाई हैं। जबकि 2019 में पार्टी इन राज्यों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में विफल रही थी। इसलिए, विरोधी उसे दक्षिण की पार्टी करार देने लगे थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में देश के चार बड़े राज्य, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार की 210 सीटों में से कांग्रेस को सिर्फ 5 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था। यूपी में 80 में से एक, महाराष्ट्र में 48 में से एक और बिहार की 40 में से सिर्फ एक सीट ही कांग्रेस के हाथ लग पाई। गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, जम्मू कश्मीर, त्रिपुरा समेत 18 राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों में कांग्रेस एक सीट भी नहीं जीत पाई। उल्लेखनीय है कि उनमें गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में 2014 के चुनाव में भी कांग्रेस अपना खाता नहीं खोल पाई थी।

यात्रा वाले राज्यों में प्रदर्शन बेहतर

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल ने 12 राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा किया था। इनमें तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मप्र, गुजरात, राजस्थान, उप्र, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब शामिल थे। कई राज्यों में गठबंधन को फायदा मिला। प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने जिस तरह संविधान और जातीय जनगणना के मुद्दे को उठाया, उससे भी पार्टी को फायदा मिला।

अध्यक्ष के तौर पर खरगे ने खुद को साबित किया

करीब डेढ़ साल पहले जब वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली थी, तब पाटी बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही थी। इन डेढ़ साल में खरगे हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में पार्टी की सरकार बनाने में कामयाब रहे। साथ ही अब लोकसभा चुनाव में पार्टी को सौ सीट के आंकड़े के करीब पहुंचाने में भी सफल रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष पार्टी के सबसे अनुभवी नेता हैं। वह सभी से चर्चा कर निर्णय लेने और कार्यकर्ताओं से सीधे बात करने में विश्वास करते हैं।

परिपक्व नेता के रूप में उभरे राहुल

लगातार दो लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस इस चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रही है। पार्टी ने सौ सीट का आंकड़ा हासिल किया है। कांग्रेस के इस प्रदर्शन में राहुल गांधी की भारत जोड़ो और बाद में न्याय यात्रा के जरिए लोगों से सीधा संवाद और चुनाव प्रचार के दौरान उठाए गए मुद्दों ने अहम भूमिका निभाई। राहुल इंडिया गठबंधन में भी परिपक्व नेता के तौर पर उभरे हैं। वे वायनाड (केरल) और उप्र की रायबरेली दोनों जगहों से चुनाव लड़े और दोनों सीट पर शानदार जीत दर्ज की।

Happy Independence Day

Surender Sharma
Dy. General Manager

CJ Darcl Logistics

CJ Darcl Logistics Limited

Regional Office
26, NB Complex, Pratap Nagar Chauraha, National Highway - 8,
Udaipur 7 313003 Rajasthan, India
Mobile: +91 941 419 0259 **E-mail:** surender.shrama@cjdarcl.com

जम्मू बना आतंक का नया गढ

डोडा में कैप्टन सहित चार जवान शहीद

52
सुरक्षाकर्मी 2021 से अब तक आतंकी हुमलों में शहीद हुए

सनत जोशी

आम लोगों के बीच छिपे हुए आतंकवादियों से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को जल्द ठोस और कारगर रणनीति बनानी होगी। तकनीकी खुफिया जानकारी के साथ-साथ जमीनी स्तर पर 'मानव खुफिया' नेटवर्क भी मजबूत करने की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में 15 जुलाई की रात प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के कैप्टन और तीन जवान शहीद हो गए। बीते तीन सप्ताह में डोडा जिले के जंगलों में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच यह तीसरी बड़ी मुठभेड़ थी। घटना में दार्जिलिंग के कैप्टन बृजेश थापा, आंध्र प्रदेश निवासी नायक डी. राजेश, राजस्थान के झुंझुनू निवासी बिजेन्द्र और अजय कुमार शहीद हो गए। यह घटना कठुआ जिले में सेना पर हमले के एक सप्ताह बाद हुई जिसमें पांच सैनिक शहीद हुए थे। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने इसी दिन देर शाम देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरबागी में तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। कुछ देर गोलीबारी के बाद आतंकियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन जवानों ने घने जंगल और बारिश के बावजूद उनका पीछा किया। रात नौ बजे जंगल में फिर गोलीबारी हुई। इसमें पांच जवान घायल हो गए। इलाज के दौरान कैप्टन और तीन जवानों ने दम तोड़ दिया।

सेना ने कहा कि उधमपुर स्थित उसकी उत्तरी कमान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के पूरी तरह से खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है। सेना ने डोडा जिले में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए चार जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह सीमा पार से घुसपैठ करके आए उन आतंकवादियों के सफाए के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त और

कैप्टन बृजेश थापा, दार्जिलिंग | सिपाही बिजेन्द्र झुंझुनू राजस्थान | सिपाही अजय कुमार झुंझुनू | नायक डी. राजेश आंध्रप्रदेश

आतंक का नया केंद्र बना डोडा

जम्मू कश्मीर का डोडा आतंक का नया केंद्र बन गया है। बीते तीन हफ्तों में जिले में तीन बड़ी मुठभेड़ हुई हैं। हाल के दिनों में आतंकी वारदातों में 11 जवान शहीद हो चुके हैं।

9 जुलाई : डोडा के गढ़ी भगवा में सेना-आतंकियों में मुठभेड़। आतंकी भाग निकले

26 जून : डोडा जिले के गंडोह इलाके में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया।

समन्वित अभियान चला रही है जो जम्मू क्षेत्र के उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ जिलों के ऊपरी इलाकों में और उसके बाद कश्मीर की ओर बढ़ रहे हैं। जम्मू में पाकिस्तान के विरोध में प्रदर्शन हुआ और प्रदर्शनकारियों ने पड़ोसी देश के खिलाफ नारे लगाने के साथ उसके नेताओं के पुतले फूंके। शिवसेना डोगरा फ्रंट, मिशन स्टेटहुड और कई नागरिक समाज समूहों ने शहर भर में विरोध प्रदर्शन किया।

2021 के बाद से, जम्मू क्षेत्र में 52 सुरक्षा कर्मियों, 62 आतंकवादियों और 19 नागरिकों की मौत हुई है। जिला वार विवरण इस प्रकार है। पुंछ में 21 सुरक्षा कर्मी, 23 आतंकवादी, रजौरी में 21 सुरक्षा कर्मी, 31 आतंकवादी, 10 नागरिक, डोडा में 4 सुरक्षा कर्मी, 3 आतंकवादी, कठुआ में 6 सुरक्षा कर्मी, 2 आतंकवादी, रियासी में 3 आतंकवादी, 9 पर्यटक मारे गए जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रमुख आर.आर. स्वैन के अनुसार राज्य के लोगों में भय पैदा करने के लिए सीमा पर स्थित भारत के शत्रु भाड़े के विदेशी हत्यारों का इस्तेमाल कर रहे हैं, लोगों के मवेशी तक चुरा ले जाते हैं।

भाड़े के ये हत्यारे पाकिस्तान होकर आए स्थानीय आतंकवादियों की सहायता से हमले

कर रहे हैं। इन आतंकवादियों को इस बात की जानकारी है कि क्षेत्र के जंगलों में कहां-कहां सेना की मौजूदगी नहीं है।

इन आतंकवादियों ने अपने साथ ऐसे 'भेदिए' मिला रखे हैं जो दिन के समय रेकी करके सैन्य वाहनों, पर्यटकों और धार्मिक स्थलों पर आने-जाने वाले वाहनों की गतिविधियों की जानकारी जुटा कर उन्हें देते हैं और वे उसी के आधार पर हमले करते हैं।

जहां पाकिस्तान ने भारत के जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए अपने पाले हुए आतंकवादियों द्वारा हिंसा और खून-खराबा जारी रखा हुआ है, वहीं पंजाब के साथ लगते सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोनों द्वारा हथियारों और नशीले पदार्थों के अलावा असली और नकली दोनों तरह की भारतीय करंसी आदि की तस्करी तेज कर रखी है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है।

देश हमारे जवानों के परिवारों के साथ खड़ा है। जिन्होंने कर्त्तव्य का पालन करते हुए अपनी जान न्यौछावर कर दी। आतंकवाद रोधी अभियान जारी है और हमारे सैनिक क्षेत्र में आतंकवाद का संकट खत्म करने तथा शांति और व्यवस्था बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

–राजनाथ सिंह,
रक्षामंत्री

एक के बाद एक ऐसी भयानक घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक हैं। लगातार हो रहे ये आतंकी हमले जम्मू कश्मीर की जर्जर स्थिति बयान कर रहे हैं। भाजपा की गलत नीतियों का खमियाजा हमारे जवान और उनके परिवार भुगत रहे हैं। सरकार बार-बार हो रही सुरक्षा चूक की पूरी जवाबदेही लेकर देश और जवानों के गुनहगारों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करे।

–राहुल गांधी,
नेता प्रतिपक्ष

नई किताब

शिक्षाविद् डॉ. महेश त्रिपाठी (मावली-राजस्थान) द्वारा सम्पादित पुस्तक 'विरासत के मोती' अंकुर प्रकाशन उदयपुर से हाल ही प्रकाशित हुई है। जिसमें महात्मा गांधी, पं. जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचन्द्र बोस, चन्द्रशेखर आजाद, भगतसिंह, स्वामी विवेकानंद सहित प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों व विचारकों के जीवन दर्शन को शामिल किया गया है। पुस्तक युवाओं के लिए उपयोगी होगी।

- प्रबंध सम्पादक

GMS
Since 1976
Happy Independence day
Hitesh Gandhi
Managing Partner
GUJARAT MACHINERY STORES
Auth. Distributors For:
DUTRON Kanaflex
DUPLON NYLON BRADED FLEXIBLE PVC PIPE
DUTRON H.D.P.E. R. PVC. C. P.V.C. PLUMBING & SWR Pipes
P.V.C. TUBING
Ventura Pumps
Pluga
Franklin Electric
PRAKASH SURYA GI PIPE
TUFROPES DESIGNED TO OUTPERFORM
neoseal Seal of Trust
21, Ashwini Bazar, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2526784, 2422446
gmsudp@yahoo.in sachinsaleco@yahoo.com
Godown: E-42, M.I.A., Road No. 4, Opp. Adarsh Automobiles, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2493839

प्रत्यूष

पेपरलीक : नई पौध से खिलवाड़

परीक्षा माफिया पर शिकंजा कस पाएगा नया कानून?

गौरव शर्मा

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक का मुद्दा पिछले कई समय से देश में गर्माया हुआ है। सरकार ने राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षाओं में नकल और लीक रोकने के लिए जो नकल रोधी कानून लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 बनाया, वह प्रभावी हो चुका है। कानून का डर दिखाकर अपराध रोकने की यह कोशिश सराहनीय है, पर इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि कानून होने के भय मात्र से अपराध रूक जाएंगे। अपराध तभी रूकेंगे जब तंत्र भी पूरी तरह से दुरूस्त और ईमानदार होगा। नकल रोकने के लिए सिर्फ कानून पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। तंत्र के सभी पक्षों की पारदर्शी जांच होनी चाहिए। नकल से प्रभावित विद्यार्थियों-अभ्यर्थियों की मानसिक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। यह शिक्षा तंत्र की विफलता है कि वह अपने भीतर कुडली मार बैठे नकल करने और कराने वालों को रोक नहीं पा रहा है। गुनहगारों का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि तमाम बंदोबस्त के बावजूद पेपरलीक हो रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि नकल-माफियाओं को सजा मिले, जबकि हमारा प्रयास ऐसे प्रावधान तय होना चाहिए कि नकल माफिया अपराध को अंजाम देने का साहस ही न जुटा पाए। इससे बड़ी बिडंबना और क्या होगी कि देश भर में जिन कुछ परीक्षाओं को सबसे पुख्ता इंतजामों के बीच कराए जाने और उनकी गुणवत्ता के लिए जाना जाता रहा है, आज धांधली या फिर पहले ही प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने की लगातार घटनाओं के बीच उनकी विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंच रही है। इन परीक्षाओं का आयोजन कराने वाली एजेंसी की साख इस तरह गिर चुकी है कि उसकी क्षमता पर उंगली उठनी भी स्वाभाविक है। सवाल है कि अगर यह स्थिति

पिछले काफी समय से निरंतर बनी हुई है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? जब नीट की परीक्षा में धांधली की खबर सामने आई तब केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने पहले उससे इनकार किया, मगर बाद में जब इस मामले में कुछ लोगों की गिरफ्तारी हुई, तब जाकर यह स्वीकार किया गया कि कुछ गड़बड़ी तो हुई है। सवाल है कि धांधली की खबर आने के बाद उस पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के बजाय उसे नजरअंदाज करने, पर्दा डालने या फिर उस पर रानजीति की कोशिशों को कैसे देखा जाएगा। जिन परीक्षाओं में लाखों विद्यार्थी एक उम्मीद लेकर तैयारी करते हैं, उनके प्रश्न पत्रों को बाहर निकाल कर लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले माफिया या आपराधिक तत्वों की पहुंच कैसे परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े उस तंत्र तक हो जाती है, जो पूरी पारदर्शिता और सख्ती के साथ परीक्षा आयोजित कराने का दावा करता है? बीते कुछ समय से जिस तरह लगातार इन परीक्षाओं में धांधली की घटनाएं सामने आ रही हैं, उसमें इनकी विश्वसनीयता को लेकर कैसी राय बनेगी और इसके लिए किसकी जवाबदेही तय की जाएगी? इनकी जिम्मेदारी सरकार पर है।

कितना कारगर नया कानून?

केन्द्र सरकार ने भविष्य में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए लोक परीक्षा कानून 2004 को अधिसूचित कर दिया है। सरकार का कहना है कि इस कानून के तहत सार्वजनिक परीक्षाओं में होने वाली धोखाधड़ी पर लगाम लगेगी। हालांकि यह कानून कितना कारगर साबित होगा यह आने वाला वक्त बताएगा।

मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार छात्रों के हितों को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पारदर्शिता के साथ हम कोई समझौता नहीं करेंगे। विद्यार्थियों का हित हमारी प्राथमिकता है। किसी भी कीमत पर उसके साथ समझौता नहीं होगा।

धर्मेन्द्र प्रधान,
केन्द्रीय शिक्षा मंत्री

एनटीए को एक स्वायत्त निकाय के रूप में पेश किया गया था, लेकिन वास्तव में इसे भाजपा और आरएसएस के लोगों के हितों की सेवा के लिए बना दिया गया। छात्रों को न्याय दिलाने के लिए केन्द्र सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

मल्लिकार्जुन खरगे,
कांग्रेस अध्यक्ष

MEWAR UNIVERSITY
Mewar University
A University u/s 2 (f) & 12(B) of the UGC Act 1956, established by Govt. of Rajasthan Act. 4 of 2009 with the right to confer degrees u/s 22 (1) of the UGC Act (NAAC Accredited)
ADMISSION OPEN
SESSION 2024
UG PROGRAMMES
B.Tech | B.Sc. | BBA | LL.B. | BCA | B.Com
BA | B.Pharma | BHM | BTTM | BPT | BVA
BPES | B.P.Ed | B.Ed. | B.Sc.(Agri.) | BJMC
PG PROGRAMMES
M.Tech | M.Sc. | MBA | LL.M. | MCA | M.Com
MA | M.Pharma | MHM | MTTM | MPT | MVA
M.Sc. (Agri.) | MJMC |
RECOGNITION & APPROVAL
UGC
NAAC
AICTE
PCI
BCI
NCTE
AIU
PROMINENT PLACEMENTS & RECRUITER
RAMAMURTHY SANKARA NARAYANAN
Branch : MBA
Package : 60,00,000
Company : GMR Energy Ltd.
Mohd Iliyas Hussain
Branch : Operation & Production Manager
Package : 50,00,000
Company : International Bank of UAE
Mohammad Irfan Lone
Branch : EE
Package : 45,00,000
Company : Reliance Jio Infocomm Ltd.
Ashish Ramchandani
Branch : Legal Studies
Package : 40,00,000
Company : HDFC Bank
KM Pragati Khulbey
Branch : MBA
Package : 40,00,000
Company : Reliance Consultancy Services Pvt. Ltd.
Yogesh Kr. Jingonia
Branch : Mechanical
Package : 20,00,000
Company : ONGC
Shruti Gujarati
Branch : CSE
Package : 15,00,000
Company : Deloitte
vedanta
wipro
magicbricks
Flexituff
apollo TYRES
Txd 同兴达
Hollister
AgroStar
UltraTech CEMENT
The Engineer's Choice
Lipi
SHREE ALLOYS
KRISHNA
MG CONSTRUCTION
RANGAM
SECURE
CEAT
genpact
Infrastructure @ Mewar University
University Campus : NH- 48, Gangrar, Chittorgarh, Rajasthan - 312901
Email : admission@mewaruniversity.org, directoradmission@mewaruniversity.org, hrd@mewaruniversity.org
Website: www.mewaruniversity.org For Further Enquiries : 01471-285451,52,57 (Reception) 9414109080, 9414109080, 7230031049, 9929331070, 9928789090 Toll Free: 180030707373

बारिश में त्वचा को संभाले

बारिश के मौसम में त्वचा की अनेक बीमारियों का खतरा बना रहता है। ऐसे में ये जानना जरूरी है कि नाजुक त्वचा को सेहतमंद और खूबसूरत कैसे बनाएं रखें। इसके लिए आयुर्वेद में बहुत ही उपयोगी उपाय हैं, जिनसे त्वचा निखरती है और उसे कोई नुकसान भी नहीं पहुंचता।

नीलम शुक्ला

मानसून में त्वचा की विशेष देखभाल बहुत जरूरी है। इस मौसम में धूप में बाहर निकलने, प्रदूषण, तनाव तथा अन्य कारणों की वजह से त्वचा का कुदरती निखार कम हो जाता है और वह अपनी चमक खोने लगती है। मानसून में पित्त की उत्तेजना से कई प्रकार के त्वचा संबंधी विकार हो सकते हैं। त्वचा के प्रति थोड़ी सी लापरवाही भी आपको प्रभावित कर सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप अपनी त्वचा का खास ध्यान रखें, जिससे त्वचा सदा जवां और खूबसूरत नजर आए। आयुर्वेदिक तरीकों से त्वचा को चमकदार और खूबसूरत रखा जा सकता है।

मानसून में सूर्य की हानिकारक किरणें, अनियमित दिनचर्या और खान-पान में पौष्टिक तत्वों की कमी के कारण त्वचा की समस्याएं होती हैं। इस मौसम में त्वचा का संक्रमण रोगाणु, जीवाणु, वायरस, बैक्टीरिया, पैरासाइट और फंगस के कारण होता है। लक्षण जानते हुए भी तत्काल उपचार नहीं किया जाए तो संक्रमण गंभीर भी हो सकता है।

सनबाथ को कहें नः इस मौसम में सनबाथ न ही करें तो बेहतर होगा, क्योंकि सूर्य त्वचा पर गलत प्रभाव डालता है। खास तौर पर बाहर ज्यादा समय बिताने वाले लोगों पर इसका असर देखने को मिलता है।

खूब सारा पानी पिएं : पानी शरीर के साथ-साथ चेहरे की त्वचा को भी हाइड्रेट रखता है। पानी पीने से शरीर और त्वचा से हानिकारक टॉक्सिन और तेल पसीने से बाहर निकल जाता है और आपकी त्वचा स्वस्थ रहती है। दिन भर में कम से कम 10 गिलास पानी पिएं।

नशे से रहें दूर

हर मौसम में लगातार स्मोकिंग और ड्रिंकिग से न केवल त्वचा से संबंधित रोग सोराइसिस आदि होते हैं, बल्कि इनसे त्वचा की कोशिकाओं से ऑक्सीजन की मात्रा लगातार कम होती जाती है, जिससे त्वा पीली पड़ जाती है या बेरंग त्वचा जैसी स्थितियां पैदा होती हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष स्मोकिंग और ड्रिंकिंग से कोलेजन का स्तर भी कम होता है, जिससे न केवल चेहरे की, बल्कि भुजाओं और छाती की त्वचा भी झोलदार और भद्दी हो जाती है।

कैमिकल प्रोडक्ट्स से रहें दूर

इस मौसम में कैमिकल के अधिक प्रयोग से दूर रहें और प्राकृतिक टोनर जैसे कोकोनट वॉटर, दही आदि का प्रयोग करें। तरल पदार्थों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें। एलोवेरा जूस पिएं। साबुन आधारित क्लींजर से दूरी बनाए रखें। ऐसे प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से बचें, जिन में फ्रूट एसिड, तेज खुशबू, कलर, एंटीबैक्टीरियल जैसे तत्व मौजूद हों। कठोर कैमिकल वाले साबुन, शैंपू, बॉडी क्लींजर, क्रीम, बाथ ऑयल आदि से बचें।

अल्ट्रावॉयलेट किरणों से बचाव जरूरी

चेहरे की त्वचा के लिए सबसे ज्यादा हानिकारक सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणें हैं, जो इस मौसम में और भी खतरनाक हो जाती हैं। इसके सीधे प्रकोप से चेहरे पर मुंहासे, पिंपल्स, झुर्रियां, आंखों के नीचे काला घेरा और एजिंग लाइनें बन आती हैं। इसलिए धूप में कम निकलें। अगर निकलना जरूरी है तो सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाकर जाएं।

इस मौसम में जरूर करें

- ☑ मानसून में त्वचा की चमक को बनाए रखने के लिए सौंफ, धनिया बीज और भारतीय करौंदे और आंवला जैसी शरीर पर कूलिंग प्रभाव देने वाली जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल पित्त शांत करने के लिए करें।
- ☑ नीबू, विटामिन सी से युक्त एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह त्वचा पर काले धब्बे और आंखों के नीचे के काले घेरे को कम करता है।
- ☑ इस मौसम में कॉफी और शराब पीने से बचें, क्योंकि पित्त और और अम्लता के लिए इन्हें बेहद उत्तेजक माना जाता है।
- ☑ वीट ग्रास त्वचा के लिए एक टॉनिक है। वीट ग्रास एंटीऑक्सीडेंट से समृद्ध होती है और खून से विषैले तत्व बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- ☑ अलसी में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो त्वचा में कई प्रकार के अस्वस्थ छिद्रों को बंद करता है।
- ☑ सोया के हर उत्पाद में विटामिन सी और जिंक पाया जाता है। इन्हें खाने से मुंहासे और त्वचा की अन्य समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

परिचय

अयोध्या के अवधेश

लोकसभा चुनाव 2024 में सबसे बड़ा उलटफेर उत्तरप्रदेश में हुआ है। सभी 80 सीटों पर जीत का दावा ठोक रही भाजपा 33 पर अटक गई। जबकि पिछले चुनाव में उसने 62 सीटें जीतकर तहलका मचा दिया था। हाल ही संपन्न चुनाव में भाजपा ने अयोध्या के राम मंदिर को बड़ा मुद्दा बनाया था। लेकिन वहां उसे समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद सिंह ने हराकर अपनी जीत का डंका बजा दिया। चुनाव में फैजाबाद (अयोध्या) सीट ही सर्वाधिक चर्चा का विषय रही। जाहिर है कि इस सीट पर भाजपा के प्रत्याशी लल्लूसिंह को हराने वाले सपा प्रत्याशी के बारे में हर कोई जानने को उत्सुक है। लल्लूसिंह पिछली संसद में सदस्य रहे। सपा के संस्थापक सदस्यों में से एक अवधेश प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के बहुत करीबी नेताओं में से एक हैं। अयोध्या जिले के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक रहते उन्होंने चुनाव लड़ा। नौ बार विधानसभा में पहुंचे अवधेश प्रसाद पांच बार मंत्री रह चुके हैं। अवधेश (77) दलित वर्ग से आते हैं। दलित वोट बैंक पर खासी पकड़ होने के साथ-साथ यादव और मुस्लिम मतदाताओं का समीकरण इनके साथ है। वे 54,567 वोटों से जीते। भाजपा ने राममंदिर के मुद्दे पर देशभर में माहौल बनाया था और उसे उम्मीद थी कि इसका फायदा उसे लोकसभा चुनाव में जरूर मिलेगा। पर भाजपा की ये रणनीति न सिर्फ अयोध्या में ही धराशायी हुई, बल्कि यूपी में भी उसे बिल्कुल विपरीत नतीजे मिले।

-रमेश जोशी

प्रत्यूष

हाथरस में भगदड, 120 श्रद्धालुओं की मौत

आस्था के सत्संग में अस्थियों की आहुति

राजवीर

हाथरस जैसे हादसे भविष्य में न हों इसके लिए सरकार ऐसे आयोजनों के लिए सख्त अनुमति प्रणाली लागू करें, जिसमें सुरक्षा और व्यवस्था के सभी मानकों की जांच की जाए। आयोजन के दौरान सरकारी अधिकारियों के नियमित निरीक्षण भी हों। सत्संग बंद करना समाधान नहीं है, बल्कि व्यवस्थाओं और इंतजामों को बेहतर और पुख्ता किया जाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराऊ क्षेत्र में 2 जुलाई को सत्संग के बाद मची भगदड़ में 120 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत और सौ से अधिक लोगों के घायल होने की घटना हृदय विदरक है। यह हादसा उस समय हुआ जब फुलरई-मुगलगढ़ी में साकार नारायण विश्वहरि उर्फ भोले बाबा सत्संग समाप्ति के बाद बाहर निकल रहा था।

सड़क के करीब दलदली मिट्टी और गड्ढा होने के कारण आगे मौजूद लोग दबाव नहीं झेल सके और एक के बाद एक गिरते चले गए। जमीन पर गिरी महिलाओं और बच्चों के ऊपर से पीछे से आने वाले लोग गुजरते चले गए । करीब 200 बीघा जमीन पर सत्संग में सवा लाख लोग शामिल थे।

अक्सर धार्मिक उत्सवों, मेलों, सत्संग, यज्ञ आदि के आयोजन में व्यवस्थागत खामियों के चलते भगदड़ मचने, दम घुटने, पंडाल वगैरह के गिरने से लोगों के नाहक मारे जाने की घटनाएं हो जाती हैं। इसके अनेक उदाहरण हैं, मगर उनसे शायद सबक लेने की जरूरत नहीं समझी जाती और फिर नए हादसे हो जाते हैं। हाथरस का हादसा इसका ताजा उदाहरण है।

ऐसे हादसे न केवल धार्मिक आयोजनों में, बल्कि राजनीतिक रैलियों, विभिन्न मेलों, सांस्कृतिक उत्सवों आदि में भी हो चुके हैं। यह ठीक है कि निजी या सार्वजलिक प्रयासों से आयोजित होने वाले इतने विशाल कार्यक्रमों को संभालने के लिए स्थानीय स्तर पर पुलिस बल उपलब्ध कराना कठिन काम

बाबा नारायण विश्वहरि

है, मगर इस तर्क पर प्रशासन की जवाबदेही समाप्त नहीं हो जाती। इस तरह का कोई भी आयोजन बिना प्रशासन की पूर्व अनुमति के नहीं हो सकता। फिर प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि आयोजन स्थल की व्यवस्था जांचे और आयोजकों की जवाबदेही तय करे। मगर जिन आयोजनों से लोगों की आस्था जुड़ी होती है, उनमें प्रशासन अक्सर ढीला ही देखा जाता है। आखिर कब इस तरह के हादसों को रोकने के लिए कोई सख्त नियम-कायदा बनेगा। ऐसे हादसों की जवाबदेही तय करने के लिए कब कोई नजीर बन सकने वाली कार्यवाई होगी।

दुर्योग से ऐसे त्रासद मौकों पर भी सियासत भी अपनी निर्ममता नहीं छोड़ती। हादसे के सभी मृतकों की शिनाख्त भी नहीं हो पाई थी कि इस पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। यह पीड़ादायक है। इसलिए पहला सबक तो हमारे राजनीतिक वर्ग को ही सीखने की जरूरत है कि कई बार मर्यादित मौन ज्यादा अभिव्यंजित होती है। दूसरा सबक हमारे शासन-तंत्र के लिए है कि वह स्थानीय प्रशासन को कैसे ज्यादा से ज्यादा संवेदनशील बनाए? भगदड़ की

ऐसी घटनाएं लगातार और देश के लगभग सभी हिस्सों में घटती रही हैं, मगर इनके दोषियों को सजा दिए जाने की कोई नजीर याद नहीं आती और जब ऐसी कोई नजीर ही याद न रहे, तो लापरवाही पर लगाम कैसे लगेगी ? धर्म-ध्वजा संभालने वाले लोगों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे शासन और तंत्र की मदद करें, तभी किसी सत्संग को कोहराम में बदलने से बचाया जा सकेगा।

नहीं लिया सबक

भारत में मंदिरों एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान भगदड़ होने से बड़ी संख्या में लोगों की मौत की यह पहली घटना नहीं है। महाराष्ट्र के मंघारदेवी मंदिर में 2005 के दौरान हुई भगदड़ में 340 श्रद्धालुओं की मौत और 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर हुई भगदड़ में कम से कम 250 लोगों की मौत हो गई थी। हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भी 2008 में ही धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 162 लोगों की जान चली गई थी।

जान गवाने वाले मृतकों के शवों की पीएम

रिपोर्ट में अधिकतर मौतों का कारण पसली टूटना, सिर, फेफड़े फटना, हाथ-पैरों व शरीर के अंगों में चोट लगना इस बात को दर्शाता है कि सत्संग स्थल पर भगदड़ में कैसे लोग एक-दूसरे को रौंदते हुए चलते गए। जो एक बार भीड़ में गिरा, वह दोबारा नहीं उठ पाया। यही वजह रही कि लोगों की भीड़ जमीन पर गिरने वाले श्रद्धालुओं को कीड़े-मकौड़ों की तरह कुलचती गई।

इस भीड़ में कोई किसी की चीख नहीं सुन पा रहा था। घटना के शुरूआती दौर में अधिकतर श्रद्धालुओं की मौत की वजह गर्मी, उमस से होना माना जा रहा था लेकिन पीएम रिपोर्ट से साफ है कि लोगों का दम भी घुटा भी तो वह लाखों लोगों की भीड़ में फंसने की वजह से। तमाम श्रद्धालुओं को संभलने का जरा भी मौका नहीं मिल सका।

Dr. Sunil Goyal
M.S. (Surgery)

Tel. : 0294-2640852 (Hosp.)
2640251, 3291459 (R)

RAJASTHAN HOSPITAL & RESEARCH CENTRE

● MEDICAL ● SURGICAL ● MATERNITY

69, I-Block, Sector-14, Goverdhan Villas, UDAIPUR (Raj.)

Res. : 54, I-Block, Sector-14, Goverdhan Villas, UDAIPUR (Raj.)

E-mail : Karunagoyal@hotmail.com, rajhospital20@yahoo.com

शिव से लें सबक बदल जाएगा जीवन

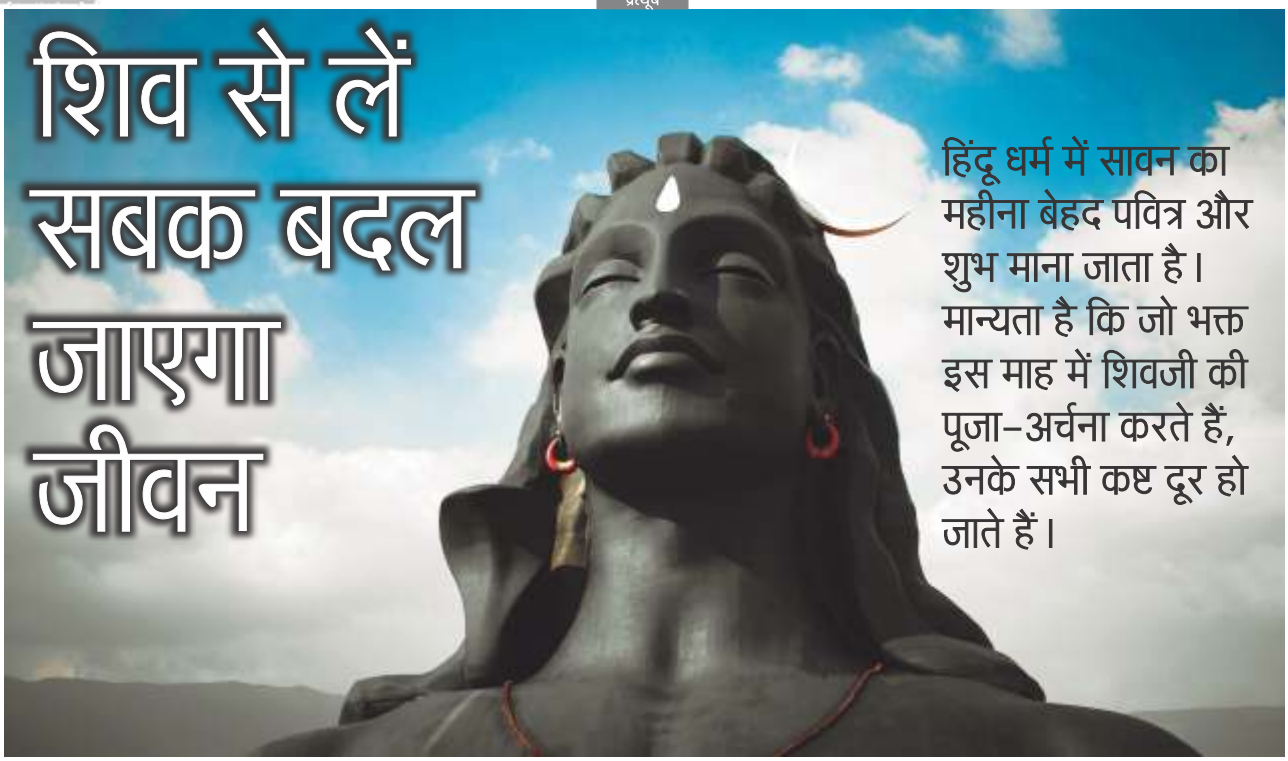

हिंदू धर्म में सावन का महीना बेहद पवित्र और शुभ माना जाता है। मान्यता है कि जो भक्त इस माह में शिवजी की पूजा-अर्चना करते हैं, उनके सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

अशोक तम्बोली

भगवान भोलेनाथ को धतूरा, बेलपत्र, भांग, इत्र, चंदन, केसर, अक्षत, शक्कर, गंगाजल, शहद, दही, घी, गन्ना, और फूल बेहद पसंद हैं। इसके अलावा शिवजी को आक का लाल-सफेद फूल भी बेहद प्रिय है। ऐसे में सावन माह में इन सभी चीजों को चढ़ाने से शिवजी अपने भक्तों से खूब प्रसन्न होते हैं। सावन में भगवान शिव के कई रूप-स्वरूप है तभी तो उनकी पूजा-अर्चना मूर्ति के साथ शिवलिंग के रूप में भी होती है। उनके व्यक्तित्व के ऐसे कई गुण हैं जिनसे हम जिंदगी के कई बड़े सबक ले सकते हैं और प्रेरित हो सकते हैं।

बुराई बर्दाश्त न करना

शिव बुराई का नाश करने वाले माने जाते हैं। वे न अन्याय सहते हैं और न किसी और को करने देते हैं। कई राक्षसों का उन्होंने संहार किया। हमें उनके निम्न गुण अपने व्यक्तित्व में शामिल करने ही चाहिए।

नकारात्मकता दबाएं

शिव को नीलकंठ के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने समुद्र मंथन के दौरान उत्पन्न हलाहल नामक विष सृष्टि की रक्षा के लिए पी लिया था। ये करना केवल शिव के वश में ही था। ये घटना हमें सबक देती है कि जीवन में नकारात्मक चीजों को भी सही तरीके से हैंडल किया जा सकता है।

जीवन में शांत रहना

गंभीर और बुरी स्थितियों से निपटने का बहुत ही सरल तरीका है शांत रहना और धैर्य न खोना। भगवान शंकर ज्यादातर ध्यान की स्थिति में ही रहते हैं और इस स्थिति में बने रहकर ही वो कई समस्याओं को निपटारा कर लेते हैं। ब्रम्हांड की भलाई के लिए वे प्राय: ध्यान में रहते हैं।

अहंकार पर नियंत्रण

किसी भी चीज का घमंड विनाश की ओर ले जाता है इसलिए इसे नियंत्रण में रखना जरूरी है। अहंकार ही एकमात्र ऐसी चीज है जो आपको महानता प्राप्त करने से रोकता है। ऐसा कहा जाता है कि शिव ने अपने अहंकार को नियंत्रण में रखने के लिए त्रिशूल धारण किया था। उन्होंने कभी भी अपने अहंकार को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। दूसरी ओर, न ही उन्होंने किसी और के अहंकार को सहन किया।

सुख-दु:ख अधिक नहीं रहते

भगवान शिव भौतिक चीजों से दूर रहते हैं इसका अनुमान आप उनकी वेशभूषा से ही लगा सकते हैं। और अगर आपने ये चीज समझ ली तो आप जीवन में आत्मसुख जरूर पा लेंगे और यही ज्यादा जरूरी है, क्योंकि भौतिक सुख हो या दु:ख ज्यादा समय तक नहीं रहते।

संयम ज़रूरी

जब आप खुद पर नियंत्रण खो देते हैं तो कई ऐसी घटनाओं का शिकार हो जाते है जो आपके लिए सही नहीं होती। इसलिए जरूरी हैं आत्म विश्लेषण करते रहना और ये समझने की कोशिश करना कि जीवन जीने के लिए वास्तव में जरूरी क्या है।

ॐ हौं जूं सः ॐ भूर्भुवः स्वः ॐ त्र्यम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्
ॐ स्वः भुवः भूः ॐ सः जूं हौं ॐ

जे पी ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल
उदयपुर

27 वर्षों से
आपके लिए

For More Visit Us : www.jporthohospital.com

24x7 HELPLINE No: +91 7229933999

Facilities

- ICU, Modular Theater
- Digital X-Ray
- Modular Plaster Room
- C-ARM Machine
- Physiotherapy
- All Kinds Of Orthopadic Surgery
- Nailing
- Plating
- Prosthesis,
- Fixator etc.

100, Main MB College Road, Kumharo Ka Bhatta,
Udaipur-313001 Tel : 0294-2413606
E-mail : jp_taruna@yahoo.co.in

गांधी परिवार को तीसरी बार प्रतिपक्ष का नेतृत्व

रेणु शर्मा

राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभाल कर इस धारणा को तोड़ने में सफल रहे हैं कि वे कोई जिम्मेदारी लेने से डरते हैं सदन और उसके बाहर। अब वे सत्तापक्ष से मुकाबला करते फ्रंट फुट पर नजर आएंगे। नेता प्रतिपक्ष बनने वाले गांधी परिवार के वे तीसरे सदस्य हैं। इससे पहले वर्ष 1999 से 2004 तक उनकी मां एवं पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा 1989 से 1990 तक पिता राजीव गांधी भी यह जिम्मा संभाल चुके हैं। लोकसभा में दस साल बाद किसी नेता ने विपक्ष के नेता की कमान संभाली है। वर्ष 2014 और 2019 में नेता प्रतिपक्ष के लिए कांग्रेस सहित कोई भी दल आवश्यक सीटें हासिल नहीं कर पाया था। वर्ष 2009 से 2014 के बीच भाजपा की सुषमा स्वराज लोकसभा में विपक्ष की नेता के पद भी थीं। राहुल गांधी को लोकसभाध्यक्ष द्वारा विपक्ष के नेता के रूप में अठारहवीं लोकसभा की पहली बैठक में ही आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी गई। उन्हें केबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। यह पद काफी महत्वपूर्ण है। संवैधानिक पदों पर होने वाली नियुक्तियों व संसदीय समितियों के गठन में नेता प्रतिपक्ष की अहम भूमिका रहती है। उन्हें सबसे पहले इंडी गठबंधन के घटक दलों की बैठक में विपक्ष का नेता बनाए जाने का निर्णय लिया गया। यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर हुई थी। खरगे ने कहा कि 'राहुल गांधी अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सदन में असरदार आवाज बनेंगे।' राहुल गांधी को पार्टी और सहयोगी दलों के साथ तालमेल बिठाकर चलना होगा। पार्टी को जहां फिर से मजबूती से खड़ा करना है वहीं इस साल महाराष्ट्र झारखंड, हरियाणा और जम्मू कश्मीर में और

अगले साल दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी सहित गठबंधन को सफल बनाने की बड़ी चुनौती भी उनके सामने है। वर्ष 2004 में लोकसभा चुनाव जीतकर राहुल गांधी ने बतौर कांग्रेस सांसद अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। पारिवारिक पृष्ठभूमि को देखते हुए तब उनके शानदार राजनीतिक भविष्य का आंकलन किया गया था। बीस साल बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता जैसी महत्वपूर्ण संवैधानिक पद की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आई है। इसमें कोई दोराय नहीं कि वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा था। परिणाम स्वरूप वह सदन में विपक्षी दल की हैसियत पाने से भी वंचित रही। लेकिन वर्ष 2024 के चुनावों में वह अपनी दोहरी शक्ति (52 से 100 की सदस्य संख्या) के साथ सदन में पहुंची है। शक्तिशाली सत्तारूढ़ दल भाजपा को चुनौती देने लायक संख्या में कांग्रेस को ला खड़ा करने में राहुल गांधी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। इस बार विपक्ष संख्या बल की दृष्टि से काफी मजबूत है। पिछले बीस सालों में राहुल गांधी का राजनीतिक जीवन कई उतार-चढ़ाव भरा रहा। लेकिन इस बार उनके कंधों पर दोहरी जिम्मेदारी है। एक सदन के भीतर तो दूसरी सदन के बाहर। नेता प्रतिपक्ष के निर्वाचन के बाद सदन में उनका पहला भाषण काफी संजीदा था। उनका कहना था कि सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है, तो विपक्ष देश की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। हम रचनात्मक सहयोग देंगे। ऐसे में उन्हें अपने पूर्ववर्ती विपक्ष के नेताओं से कहीं बेहतर प्रदर्शन करना होगा। संसद में देश की आवाज को रचनात्मक, तथ्य व तर्क सहित पूरी जवाबदेही के साथ प्रभावशाली तरीके से उठाना होगा। उनकी राजनैतिक गतिविधियों व संसद में उनके भाषणों पर ही कांग्रेस का भविष्य टिका है, आशा है वे उसमें अपने अनुभवों से सफल होंगे।

हार्दिक श्रद्धांजलि

श्रीमती राजमणी गोरवाड़ा

(धर्मपत्नी श्री उग्रसिंहजी गोरवाड़ा एडवोकेट)

स्वर्गवासः 07 अगस्त 2023

आपकी यादें, आपका आभास, आपका विश्वास,
सबकुछ है हमारे पास, आपके अहसासों मेंो
आप तो हर पल बसे हुए हैं दिल की धड़कन में,
भीगी पलकों में... परिवार की सासों मेंो।

श्रद्धावनत

राजीव-साधना, संजीव-रक्षा (पुत्र-पुत्रवधु), मंजू-महेश राठौड़ (पुत्री-दामाद)
ज्योतिबाला, महेन्द्र, ईशा, मनोज, अमित, रिंकल, अंकित,
श्रेया, अमी-श्रवण, निश्मा-आयुष, अक्षय-शीतल राठौड़,
दिव्या, राहुल, रोहन, रिया एवं समस्त गोरवाड़ा परिवार

प्रतिष्ठान

गोरवाड़ा केमिकल इण्डस्ट्रीज, उदयपुर

पर्यावरण व जीव रक्षा का संदेश चातुर्मास

डॉ. पुष्पेन्द्र मुनि

वैदिक ग्रन्थों में वशिष्ठ ऋषि का कथन है, वर्षावास में चार महिने विष्णु भगवान समुद्र में जाकर शयन करते हैं। अत: वर्षावास का यह समय धर्म आराधना में बिताना चाहिए। प्राचीन जैन साहित्य का अनुशीलन करने से पता चलता है कि आचार्यों ने तिथियों को तीन भागों में बांटा चौदस, अमावस और पूनम - ये छह तिथियां चारित्रा तिथियां हैं। इन पर्व तिथियों में उपवास, पोषध, संवर आदि तप से चारित्र धर्म की वृद्धि करनी चाहिए। छ: ज्ञान तिथियां - दो दूज, दो पंचमी और दो एकादशी - ये छ: तिथियां ज्ञान तिथि कहलाती है। इनमें ज्ञान, शास्त्र, स्वाध्याय, आगम श्रवण आदि काम करने चाहिए। शेष सभी तिथियां दर्शन तिथियां कहलाती हैं। इनमें सम्यकत्व, शुद्धि, स्वधर्मी-वत्सलता, देव-गुरू-वन्दन आदि शासन प्रभावना के काम करने चाहिए। हालांकि तिथियों का यह एक स्थूल वर्गीकरण है, लेकिन यदि आप इस तरह चलते हैं तो एक मासिक धर्म कार्यक्रम बना सकते हैं। धर्म आराधना की सबसे पहली बात है श्रद्धा। धर्म व गुरू के प्रति या गुरूजनों द्वारा बताए गए व्रत-नियम आचार धर्म के प्रति गहरी श्रद्धा भक्ति होनी चाहिए। धम्र साधना के मार्ग पर सच्चा विश्वास हो। दूसरी बात है- धर्म साधना का क्रमिक ज्ञान। श्रद्धा है, विश्वास है, किन्तु धर्म आराधना कैसे करें, इसका ज्ञान होना चाहिए। तीसरी बात है- धर्म प्रभाव का ज्ञान। आपको धर्म के प्रति श्रद्धा है साधना की प्रक्रिया का ज्ञान भी है, परन्तु जो नियम व्रत ले रहे हैं, उसका आपके जीवन पर क्या प्रभाव होगा इसका ज्ञान होना भी अनिवार्य है। जैसे शास्त्रों में बताया है कि वन्दना करने से गुणीजनों के प्रति आदर भाव बढ़ता है, क्षमापना करने से कषायों की शान्ति होती है, सामायिक करने से समता भाव आता है- आदि।

स्वयं को धर्म से जोड़िए और कुछ बातों का ध्यान रखें-

- वर्षाकाल में जीवों की विराधना से बचने के लिए यातायात प्रवास को सीमित करें। चलने के दौरान सतर्कता बरतें।
- वर्षाकाल ठंडक और तरी का मौसम है। मन के भीतरी वातावरण को शीतल बनाएं। क्रोध, मान, माया, लोभ आदि कषायों की उग्रता उष्णता को शांत करने का प्रयास करें।
- ब्रह्मचर्य व्रत की साधना का संकल्प तन, मन, आरोग्य सभी के लिए लाभकारी है।
- चार महीने रात्रि भोजन का त्याग करें।
- स्वास्थ्य, ध्यान, जप, मौन, स्वाद त्याग और तप की आराधना करें।

जैन और बौद्ध धर्म में महत्व

- हिन्दू धर्म की तरह ही जैन धर्म में भी चातुर्मास का महत्व है। इस दौरान जैन धर्म के अनुयायी ज्ञान, दर्शन, चरित्र व तप की आराधना करते हैं। चातुर्मास जैन मुनियों के लिए शास्त्रों में नवकोटि विहार का संकेत है।
- भगवान महावीर ने चातुर्मास को 'विहार चरिया इसिणां पसत्था' कहकर विहारचर्या को प्रशस्त बताया है। भगवान बुद्ध चातुर्मास के बारे में कहते हैं 'चरथ भिक्खवे चारिकां बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय'।
- ऐसा कहकर बौद्ध भिक्षुओं के लिए चरैवेति-चरैवेति का संदेश दिया है। जैन मुनि चातुर्मास में तो चार महीने एक स्थान में रहते हैं पर शेष आठ महिने एक-एक कर कम से कम आठ स्थानों में प्रवास कर सकते हैं।
- कल्पसूत्र आदि अनेक सूत्रों में जैन-मुनियों की विहारचर्या की विशद चर्चा की गई है पर चातुर्मास काल में 'वासासु परिसंवुडा' के अनुसार वर्षाकाल में अपने आप को परिसंवृत होकर रहना पड़ता है। अर्थात् इस काल में वे ज्यादा घूमना-फिरना नहीं कर

सकते।

- चातुर्मास पर्व यानि चार महीने का पर्व जैन धर्म का एक अहम पर्व होता है। इस दौरान एक ही स्थान पर रहकर साधना और पूजा पाठ किया जाता है। वर्षा ऋतु के चार महीने में चातुर्मास पर्व मनाया जाता है।
- जैन धर्म के अनुसार बारिश के मौसम में कई प्रकार के कीड़े, सूक्ष्म जीव जो आंखों से दिखाई नहीं देते वे सर्वाधिक सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में मनुष्य के अधिक चलने-उठने के कारण इन जीवों को नुकसान पहुंच सकता है।
- इस दौरान जैन साधु किसी एक जगह ठहरकर तप, प्रवचन तथा जिनवाणी के प्रचार-प्रसार को महत्व देते हैं। चातुर्मास पर्व का महत्व जैन धर्म के अनुयायी वर्ष भर पैदल चलकर भक्तों के बीच अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य का विशेष ज्ञान बांटते हैं। चातुर्मास में ही जैन धर्म का सबसे प्रमुख पर्व पर्युषण पर्व मनाया जाता है।
- मान्यता है कि जो जैन अनुयायी वर्ष भर जैन धर्म की विशेष मान्यताओं का पालन नहीं कर पाते वे इन 8 दिनों के पर्युषण पर्व में रात्रि भोजन का त्याग, ब्रह्मचर्य, स्वाध्याय, जप-तप मांगलिक प्रवचनों का लाभ तथा साधु-संतों की सेवा में संलिप्त रह कर जीवन सफल कर सकते हैं।

प्राचीन ग्रंथों के अनुसार भगवान नेमिनाथ ने जब द्वारका नगरी में वर्षावास किया तब श्रीकृष्ण वासुदेव ने यही प्रश्न किया- भन्ते ! श्रमण चार मास तक एक स्थान पर क्यों रहते हैं? उन्हे नेमिनाथ भगवान ने उत्तर में बताया कि- 'वर्षा के कारण पृथ्वी पर अनगिनत जीवों की उत्पत्ति होती है। ऐसे सूक्ष्म जीव जो आंखों से दिखाई नहीं देते। उन्हीं की रक्षार्थ श्रमण एक स्थान पर स्थिर रहते हैं।' जैन परम्परा में आषाढ की पूर्णिमा से कार्तिक की पूर्णिमा तक (चार माह) पाद विहारी जैन श्रमण एक ही स्थान पर विराजमान हो स्वधर्म साधना के साथ-साथ दूसरों को भी साधना के लिए प्रेरित करते हैं।

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

कन्हैयालाल जैन
राकेश जैन (बंटी)

फोन :- 0294-2429053

राजस्थान मेडिकल स्टोर

महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय के सामने, उदयपुर

सहमति – असहमति लोकतंत्र की असली ताकत : बिरला

नंदकिशोर

राजस्थान के कोटा संसदीय क्षेत्र से लगातार तीसरी बार निर्वाचित ओम बिरला 18वीं लोकसभा में 26 जून को दूसरी बार पुन: निर्विरोध स्पीकर चुन लिए गए। बेहद संजीदा व व्यवहार कुशल बिरला का जन्म 23 नवम्बर 1962 को श्री कृष्ण बिरला – शकुन्तला देवी के घर हुआ। राजनीति में उनका प्रवेश 1979 में कॉलेज छात्रसंघ का अध्यक्ष बनने के साथ हुआ। वे चार साल कोटा जिला भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रहने के बाद 1991 से 97 तक युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व 1997 से 2003 तक युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे। एम. कॉम तक शिक्षित बिरला की पत्नी डॉ. अमिता स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। उनकी दो पुत्रियों में आकांक्षा चार्टेर्ड एकाउंटेंट हैं जब कि अंजलि रेल्वे में अधिकारी हैं। बिरला कोटा दक्षिण से राजस्थान विधान सभा में 2003, 2008 व 2013 में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधि भी कर चुके हैं। बलराम जाखड़ के अलावा अब तक कोई भी सांसद लगातार पूरे दो कार्यकाल तक स्पीकर जैसे अहम संवैधानिक पद पर नहीं रहा ।

उनका फिर से चुना जाना राजस्थान के लिए भी गौरवपूर्ण है। भारत की जो प्रोटोकॉल सूची है, उसके प्रमुख 6 पदों में से दो पद राजस्थान के नाम हैं। प्रोटोकॉल सूची में दूसरे पद पर उपराष्ट्रपति आते हैं और मौजूदा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राजस्थान के ही हैं। छठे नम्बर पर स्पीकर व मुख्य न्यायाधीश का पद आता है। स्पीकर का पद एक बार फिर राजस्थान के हिस्से में आया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है राजस्थान से इस बार भाजपा को भले ही लोकसभा की 25 में से 14 सीटें ही मिली हों, लेकिन केन्द्रीय मंत्रिमंडल की धुरी में उसका महत्वपूर्ण स्थान बना रहेगा। इस बार भी राजस्थान से निर्वाचित चार सांसद केन्द्रीय मंत्रिमंडल में हैं, तो स्पीकर के रूप में बिरला पूरे देश की आवाज़ बने हैं। यूं तो रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव भी राजस्थान (जोधपुर) के हैं, लेकिन वे ओडिशा से राज्यसभा में भेजे गए हैं।

उपलब्धियां : 19 जून 2019 को सर्वसम्मति से 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद संसद के नए भवन का निर्माण हुआ। 17वीं लोक सभा की उत्पादकता 97 फीसदी रही जो पिछले 25 वर्षों में सर्वाधिक है। कोरोना महामारी के बीच आयोजित 17वीं लोकसभा के चौथे सत्र की उत्पादकता 167 फीसदी रही जो लोकसभा के इतिहास में सर्वाधिक है। संसद के संचालन में वित्तीय अनुशासन को प्रोत्साहित कर 801 करोड़ की बचत की गई। 17वीं लोकसभा के दौरान 222 विधेयक कानून बनें जो पिछली तीन लोकसभा में सर्वाधिक है। 17वीं लोक सभा के दौरान विभिन्न विधेयकों पर कुल 440.54 घंटे चर्चा हुई जो पिछली चार लोकसभा में सर्वाधिक है। 17वीं लोकसभा के दौरान विभिन्न विधेयकों पर कुल 2910 सदस्यों ने चर्चा की जो पिछली चार लोकसभा में सर्वाधिक है। ज्ञान के समृद्ध कोष संसद की लाइब्रेरी को 17 अगस्त 2022 से आमजन के लिए खोल दिया गया। इसके अलावा भी कई उपलब्धियां बिरला के नाम हैं।

18वीं लोकसभा के पहले सत्र में अपने पहले भाषण में बिरला ने कहा, 'मुझे पुन: इस महान सदन के पीठासीन अधिकारी के रूप में दायित्व निर्वहन करने का अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सभी दलों के नेताओं और सदस्यों का हार्दिक आभार।

हम सबका दायित्व हो जाता है कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए हम सामूहिक प्रयास करें। हम रचनात्मक चिंतन और नूतन विचारों के साथ काम करें। उच्चकोटि की संसदीय परंपराएं स्थापित हों। पक्ष-विपक्ष की मर्यादित सहमति-असहमति की अभिव्यक्ति हो। देश में ज्वलंत मुद्दों पर सार्थक चर्चा, संवाद हो। हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की इच्छाशक्ति के साथ काम करें। सदन में सभी तरह के विचार आने चाहिए। सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। सभी सदस्यों की विचारधारा अलग है लेकिन देश सर्वोपरि है। मेरी अपेक्षा है कि सभी की सहमति से सदन चलाऊं और एक सदस्य वाले दल को भी बोलने का पर्याप्त मौका मिले।'

डॉ. सुशान्त जोशी

(एम.एस., ई.एन.टी.), कान, नाक, गला, मुख और गला केंसर रोग विशेषज्ञ

!! एक छोटी सी पहल !!

अगर आपकी आयु 65 वर्ष से अधिक है तो आपसे 40 प्रतिशत कम परामर्श शुल्क लिया जाएगा (मात्र 200/– रुपए)
अगर आप गर्भवती महिला या दिव्यांग हैं तो आपको बिना प्रतीक्षा तुरंत सेवा दी जाएगी।

अगर आप महीने के पहले व तीसरे मंगलवार को दिखाने आए तो आपसे कोई परामर्श शुल्क नहीं मांगा जाएगा एवं इच्छानुसार प्राप्त शुल्क की असहाय एवं गरीब बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा के लिए उपयोग में लिया जाएगा।

ENT FOR ALL

जोशी ई.एन.टी. क्लिनिक

आकार कॉम्पलैक्स के पास, पवन मेडिकल के पीछे, मैन यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर (राज.) 313001

✆ 0294-2940888, 8003494667

आई-केयर फोर ऑल

डॉ. नवनीत बोहरा
नेत्र रोग विशेषज्ञ

नेत्र संबंधी रोगों की अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा जांच व ऑपरेशन

TIMING
4 PM to 8 PM

सुविधाएं

■ मशीनों द्वारा जांच ■ चश्में के नम्बर ■ पर्दे की जांच
■ आंखों की एलर्जी (खुजली, पानी आना) ■ कम दिखाई देना
■ मोतियाबिंद ■ कालापानी (ग्लूकोज) ■ नाखूना (आंखों में मास का बढ़ना)
■ आंखों के आगे काले धब्बे आना ■ आई फ्लू जांच

पवन मेडिकल के पीछे, युनिवर्सिटी रोड, केशवनगर, उदयपुर मो.: 0294-2940888, 9351316885

रसोई की सफाई सेहत की रसाई

घर की सबसे पवित्र और सेहत की दृष्टि से सबसे संवेदनशील जगह होती है रसोई। रसोई और रसोई के उपकरणों, बर्तनों आदि की अगर ठीक से सफाई न हो तो उस घर में बीमारियां जड़े जमा लेती हैं। इसलिए घर के दूसरे हिस्सों की साफ-सफाई में बेशक कुछ लापरवाही हो जाए, पर रसोई की सफाई में बिलकुल नहीं होनी चाहिए।

ओवन और चिमनी की देखभाल

बच्चे दिन में कई बार ओवन में खाना गरम करते रहते हैं। इससे उसकी दीवारों पर चिकनाई जम जाती है। हफ्ते में कम से कम एक बार या दो बार ओवन में नींबू के रस और गुनगुने पानी के मिश्रण से सफाई होनी ही चाहिए। सफाई के बाद थोड़ी देर ओवन को गरम करने के लिए छोड़ दें। इस तरह सारा बैक्टीरिया खत्म हो जाएगा। इसी तरह चिमनी की जालियां निकालकर गरम पानी में साबुन और नींबू का रस डालकर साफ करनी चाहिए। इससे चिमनी ठीक से काम करती रहेगी और बैक्टीरिया भोजन में प्रवेश नहीं करेंगे।

बिजली उपकरणों का रखें ध्यान

रसोई में मिक्सर-ग्राइंडर, जूसर, टी मेकर या पानी गरम करने की केतली का उपयोग प्राय: घरों में होता है। उनके जार का रबड़ निकालकर जरूर सफाई होनी चाहिए, नहीं तो उसमें जमा गंदगी में बैक्टीरिया पलते हैं। इन उपकरणों की नियमित सफाई बहुत जरूरी होती है, खासकर उनके बटनों की। मगर जब भी इनकी सफाई करें, तो ध्यान रखें कि बिजली से उनका संपर्क न रहे।

सफाई के कुछ आम नुस्खे

☑ अक्सर भोजन पकाते हुए कड़ाही, भगोने, दूध के बर्तन जल जाते हैं। उनकी सफाई करना कठिन काम होता है। मगर साबुन, नींबू का रस, खाने का सोड़ा मिलाकर सफाई करें, तो जले हुए बर्तनों को साफ करने में काफी आसानी हो जाती है।

☑ चूल्हे पर दूध गिर जाने, बैंगन वगैरह भूनने, चिकनाई चिपक जाने से उसके बर्नर के छेद बंद हो जाते हैं। उन्हें निकाल कर गुनगुने पानी में भिगोकर रख दें। फिर हल्के हाथों से स्क्रबर से मल कर धो लें। पिन की मदद से उनके छेदों में जमी गंदगी साफ कर लें।

☑ फ्रिज को अंदर से हर हफ्ते साफ किया जाना चाहिए, क्योंकि उसमें बचा हुआ भोजन रखा जाता है, इसलिए उसमें बैक्टीरिया पनपने की संभावना अधिक रहती है। फ्रिज के बाहरी हिस्से की सफाई के लिए बाजार के कोलीन जैसे रसायन के बजाय अगर पानी में फिटकरी घोल कर साफ करें, तो उसकी चमक बनी रहती है। फिटकरी भी बैक्टीरिया नाशक है।

☑ सिंक और नल की सफाई हर बार होनी चाहिए, क्योंकि वहीं बैक्टीरियाा के पैदा होने की संभावना ज्यादा रहती है। जब भी बर्तन धो लें तो उसकी स्क्रबर से सिंक को भी रगड़ कर साफ कर दें। उसकी जाली हटाकर सफाई करें। जहां सिंक का पाइप गिरता है, वहां नेफ्थलीन की गोलियां डालें, क्योंकि वहीं तिलचट्टों की पैदावर अधिक बढ़ती है। रसोई में कीटनाशक का छिड़काव भी कराते रहना चाहिए।

प्रस्तुति: ***ऋषिका नागदा***

Happy Independence Day

परतानी

नाक कान गला अस्पताल

ISO 9001 2015 CERTIFIED, NABH ACCREDITE

• डायोड लेजर • माइक्राडिब्राइडर • साइलोएंडोस्कोप (लार की ग्रंथी)
• कोबलेटर एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा सर्जरी व जांच सुविधा
VERTIGO CLINIC चक्कर आने की जांच • स्पीच थैरेपी एवं डिजिटल हियरिंग एड

डॉ. सीमा परतानी
एम.डी.

डॉ. गरिमा गुप्ता
डी.एन.बी. (ई.एन.टी.)

डॉ. पूजा शर्मा
एम.एस. (ई.एन.टी.)

रीटा
ऑडियोलोजिस्ट एंड स्पीच थैरेपिस्ट

14, नाकोड़ा कॉम्पलेक्स, हंसा पेलेस के पास, सेक्टर 4, हिरणमगरी, उदयपुर
फोन : 0294-2462150 मो. : 9982362150

टी-20 विश्वकप : बारबाडोस में भारत की विराट विजय

अल्फेज खान

आइसीसी टी-20 विश्व कप जीतकर हमारी क्रिकेट टीम ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है। महासागर की गहराई और विशाल पहाड़ी की ऊंचाई को नापा जा सकता है, पर यह गर्व पैमानों से परे हैं। इस बार यह इसलिए भी सघन है, क्योंकि 11 साल बाद यह कारनामा हुआ है।

क्रिकेट के विभिन्न स्वरूपों में भारत को विश्व विजेता बनने का यह चौथा अवसर है। वर्ष 1983 में कपिल देव की कप्तानी में इंग्लैंड के बर्मिंघम में वनडे, महेन्द्रसिंह धोनी के नेतृत्व में वर्ष 2007 में टी-20, वर्ष 2011 में वन डे और इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी में टी-20 का विश्व कप जीता। इस जीत का महत्व इसलिए भी है कि इससे पूर्ववर्ती वर्षों में (2014 से 2023) तक हुई विभिन्न स्पर्द्धाओं में भारत फाइनल में पहुंचा तो सही, लेकिन जीत नहीं पाया। दक्षिण अफ्रीका एक बार फिर जीत के करीब पहुंचकर हारकर चौकर साबित हुई। जसप्रीत बुमराह ने प्रतियोगिता में 15 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट' खिताब जीता। तो विराट कोहली 76 रन बनाकर 'मैन ऑफ द मैच' रहे। अक्षर पटेल के 47 रन भी जीत में महत्वपूर्ण रहे। हार्दिक पंड्या और बुमराह ने आखिरी ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी कर 16 ओवर में 151 रन बना चुकी दक्षिण अफ्रीका के जीत के अरमानों पर पानी फेर दिया। वह सात रन से मैच हार गई। 17वें ओवर में हार्दिक ने क्लासेन को पंत के हाथों कैच आउट कराकर मैच का रूख ही बदल दिया। प्रतियोगिता की एक खास बात, भारत के खाते में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर 177 खड़ा करने का कीर्तिमान रहा। ऐसे सुनहरे पलों के बीच टीम के कोच राहुल द्रविड, कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविन्द्र जडेजा की हैप्पी एंडिंग की घोषणाएं प्रशंसकों को थोड़ी चुभी जरूर।

टी-20 विश्व कप में खिताबी जीत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की धाक और बढ़ेगी। यह इस परिप्रेक्ष्य में और ज्यादा मायने रखता है कि कभी क्रिकेट में दबदबा रखने वाली श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान की टीमें बुरी तरह लड़खड़ा रही हैं। क्रिकेट में हमारे पुरुष खिलाड़ी ही नहीं, महिला खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ध्रुव तारे की तरह चमक रही हैं। चेन्नई के टेस्ट मैच में भारतीय महिला टीम ने 603 रन की पारी खेल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में स्कोर के सारे रेकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। संयोग से यह कारनामा भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही पुरुष टीम के विश्वकप जीतने के एक दिन बाद ही किया गया। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय क्रिकेट में सितारों से आगे जहां और भी है का भरोसे से भरपूर जज्बा आगे भी बरकरार रहेगा।

..तब और अब : आखिरी ओवर का रोमांच

2007 विश्वकप में भारतीय टीम को आखिरी ओवर में 13 रन बचाकर जीत पक्की करनी थी, जबकि पाकिस्तान के प्रमुख बल्लेबाज मिस्बाह उल हक मैदान पर डटे हुए थे। सभी प्रमुख तेज गेंदबाजों के ओवर खत्म हो गए थे। तब धोनी ने मीडियम पेसर जोगिंदर शर्मा को गेंद थमाई। कुछ ऐसे ही हालात 17 साल बाद बारबाडोस में बने जब भारतीय टीम को दोबारा टी-20 का विश्व विजेता बनने के लिए आखिरी आवेर में 16 रन बचाने थे। दोनों तेज गेंदबाजों के ओवर खत्म हो गए थे। तब कप्तान रोहित ने मीडियम पेसर पांड्या को गेंद थमाई आखिरी गेंद तक रोमांच से भरे मुकाबले में आखिरी ओवर की पहली गेंद में हार्दिक पांड्या ने डेविड मिलर को पवेलियन भेजकर जीत की राह को आसान किया। जबकि 2007 में आखिरी ओवर फेंक रहे जोगिंदर शर्मा ने आखिरी गेंद में मिस्बाह को पवेलियन भेजा था। इस मुकाबले में भारत ने पांच रन से जीत दर्ज की थी।

कसौटी पर खरे द्रविड़

ढाई साल के कार्यकाल में टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ बीसीसीआई की कसौटी पर खरे उतरे। भारतीय क्रिकेट में कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का सुनहरा युग इस विश्व कप के साथ खत्म हुआ। द्रविड़ की टीम इंडिया में पहले एक खिलाड़ी और फिर कप्तान के रूप में भूमिका शानदार रही। जब खिलाड़ी के रूप में मैदान से हटे तो बीसीसीआई ने पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी की जिम्मेदारी दी। इसके बाद उन्हें भारतीय जूनियर क्रिकेट को संवारने का काम सौंपा गया। जब उन्हें सीनियर टीम इंडिया का मुख्य का कोच बनाया गया तो हर किसी को विश्वास था कि टीम इंडिया और बुलंदियों तक पहुंचेगी।

महिला क्रिकेट टेस्ट

भारत ने दी द. अफ्रीका को करारी शिकस्त

शेफाली वर्मा के पहली पारी में बनाए गए दोहरे शतक और स्नेह राणा की करिश्माई गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने 1 जुलाई को चेन्नई के एम. चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में दक्षिणी अफ्रीकी टीम को 10 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए छह विकेट पर 603 रन बना पहली पारी घोषित की। इसके बाद टीम ने स्नेह राणा की फिरकी के दम पर द. अफ्रीका की पहली पारी को 266 पर समेट फॉलोऑन खेलने को मजबूर किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी मे कप्तान लौरा वोल्वाड्र्स (122) और पूर्व कप्तान सुने लुस (109) की शतकीय पारियों के बाद नादिने डि क्लर्के की 61 रन की पारी के दम पर 373 रन बनाकर भारत को 37 रन का लक्ष्य दिया। इस लक्ष्य को भारत की शुभा सतीश (नाबाद 13 रन) और शेफाली (नाबाद 24 रन) ने बिना विकेट गंवाए आसानी से हासिल कर लिया।

स्नेह राणा टेस्ट में दस विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय

प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार पाने वाली स्नेह राणा ने मैच में कुल 10 विकेट (पहली पारी में 8 व दूसरी पारी में 2 विकेट) झटके। इसके साथ ही वह टेस्ट में झूलन गोस्वामी के बाद 10 विकेट चटकाने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज बन गई। झूलन गोस्वामी ने टेस्ट में यह कारनामा 2005 में टांटन में इंग्लैंड के खिलाफ किया था।

प्रत्यूष

सिंगर गुरदीप मेहंदी के गानों पर झूमे और थिरके

उदयपुर। जीतो उदयपुर चेप्टर की दो दिवसीय मंथन में बॉलीवुड सिंगर गुरदीप मेहंदी नाइट में गुरदीप मेहंदी ने अपने गानों से समां बांध कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। चेप्टर चेयरमैन विनोद फांदोत एवं चीफ सेक्रेटरी धर्मेश नवलखा ने बताया कि मंथन में इंस्पायर टूडे एण्ड ट्रांसफर्म टुमारो की थीम पर जीतो राजस्थान जोन कॉनक्लेव में राजस्थान के 10 चेप्टरों से करीब 1500 से अधिक सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए। कार्यक्रम में राजस्थान रॉयल के मनीष पटेल, एचडीएफसी म्यूचल फंड के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ नवनीत मुणोत आदि ने सफलता के मूलमंत्र दिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जीतो जोन कार्यकारी अध्यक्ष कांतिलाल ओस्तवाल थे। अध्यक्षता जीतो एपेक्स डायरेक्टर राजकुमार फतावत ने की। इस मौके पर लेडिज विंग अध्यक्ष विजयलक्ष्मी गलूंडिया, चीफ सेक्रेटरी प्रीति सोगानी, मनीष गलूंडिया, अभिषेक संचेती,श्याम नागौरी, मनीष मेहता, जतिन नागौरी, लक्ष्मण शाह, सुधीर चित्तौड़ा, दिव्याद जोशी आदि मौजूद रहे।

लेक्रोज पदक विजेता टीम का सम्मान

उदयपुर। हाल ही में समरकंद (उज्बेकिस्तान) में आयोजित एशियाई सीनियर महिला लेक्रोज प्रतियोगिता की रजत पदक विजेता भारतीय टीम के खिलाड़ियों का प्रायोजक आरएसएमएम की ओर से स्वागत सम्मान किया गया। राजस्थान स्टेट माइंस एण्ड मिनरल्स लिमिटेड उदयपुर के चेयरमैन व संभागीय आयुक्त राजेन्द्रकुमार भट्ट ने ट्राफी लेकर आए खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की ओर उन्हें बधाई दी। उन्होंने प्रशिक्षक नीरज बत्रा के साथ कप्तान सुनीता मीणा, डाली गमेती, जुला कुमार गुर्जर, विशाखा मेघवाल, मीरा दौजा, हेमलता डांगी व दीपिका बामनिया का अभिनंदन किया। इस अवसर पर आरएसएमएम के सुरेश कुमार जैन, बीएस पत्राबत, नीतू सोलंकी, राहुल कोतवाल, भावना शर्मा आदि ने खिलाड़ियों का अभिनंदन किया।

रोटरी हेरिटेज की नई कार्यकारिणी

उदयपुर। रोटरी क्लब उदयपुर हेरिटेज के सत्र 2024-25 की नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष प्रो. दीपक शर्मा, सचिव डॉ. शैलेन्द्र सोमानी एवं कोषाध्यक्ष विजय वाधवानी को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी के अन्य पदों में उपाध्यक्ष संदीप गुप्ता, क्लब लर्निंग फेसिलिटेटर दीपक सुखाड़िया, निवर्तमान अध्यक्ष विक्रांत दोशी, बुलेटिन सम्पादक रविन्द्र पारख मनोनीत हुए हैं। निदेशक मंडल में राजकुमार टाया, अनुभव लाडिया, अजय साबला, संजीव जोधावत, आशीष बाठिया, गजेन्द्र सुयल, धीरेन्द्र सचान, दीपक गोयल, डॉ. नवीन गोयल, ऋषि कोठारी, राहुल गुप्ता, मनीष गहलोत, जितेन्द्र तलेसरा, डॉ. कार्तिकेय कोठारी और अभिषेक पोखरना विभिन्न गतिविधियों के निदेशक का जिम्मा संभालेंगे।

महंत सुरेश गिरी की पुण्यतिथि पर रक्तदान

उदयपुर। फतह स्कूल के सामने स्थित निरंजनी अखाड़ा हनुमान मंदिर के महंत सुरेश गिरी की तृतीय पुण्यतिथि पर 181 यूनिट रक्तदान हुआ। बालाजी सेवा समिति द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर लगाया गया। मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद महानगर मंत्री अशोक प्रजापत थे। शिविर की अध्यक्षता बजरंग दल जिला संयोजक उदयपुर महानगर ललित लोहार ने की। मंदिर के महंत अमर गिरी ने स्वागत किया।

सीडलिंग के छात्रों ने चिकित्सकों का जताया आभार

उदयपुर। डॉक्टर्स डे पर पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में सीडलिंग स्कूल के 25 छात्रों ने चिकित्सकों का अभिनंदन किया। पीएमसीएच के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमन अग्रवाल ने बताया कि इस साल की थीम हीलिंग हैंड्स, केयरिंग हार्ट्स है। यह विषय डॉक्टरों द्वारा अपनी चिकित्सा पद्धति में लाए गए समर्पण, करुणा और सहानुभूति को उजागर करता है, जो जीवन को बचाने और बेहतर बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

महिला समृद्धि बैंक की 30वीं आमसभा

उदयपुर। दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन कॉ-ऑप. बैंक लि की 30वीं आमसभा गत दिनों हुई, जिसमें 900 से अधिक सदस्याएं उपस्थित थीं। अध्यक्षता बैंक अध्यक्ष डॉ. किरण जैन ने की। बैंक उपाध्यक्ष विमला मूंदड़ा ने सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष ने बैंक का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं उपलब्धियों, विशेषताओं, आगामी योजनाओं एवं सामाजिक दायित्वों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान में जमाएं 141.00 करोड़ एवं ऋण 55.38 करोड़ हो गए हैं। बैंक ने इस वर्ष हर क्षेत्र में प्रगति करते हुए कुल व्यापार 196 करोड़ रुपए कर लिया है। बैंक इस वर्ष भी राष्ट्रीय स्तर पर तीन अवार्ड से सम्मानित हो चुका है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत ने कहा कि ग्राहकों को सभी डिजिटल सुविधाएं दी जा रही हैं। ये सुविधाएं प्रारंभ करने वाला ये भारत का पहला महिला बैंक है। संचालन बैंक अधिकारी सुदर्शना शर्मा ने किया।

गीतांजलि-मेवाड़ एविएशन में एयर एंबुलेंस के लिए एमओयू

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल उदयपुर व मेवाड़ एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के बीच एयर एंबुलेंस के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। गीतांजलि हॉस्पिटल एयर एंबुलेंस की सुविधा देने वाला दक्षिण राजस्थान का एकमात्र हॉस्पिटल है। इस एमओयू को कैप्टेन विक्रांत एवं सीओओ ऋषि कपूर द्वारा साइन किया गया। इसके चलते अब रोगी को बहुत ही कम समय में आवश्यक गंतव्य में एयर एंबुलेंस द्वारा लाया और भेजा जा सकता है।

सेना में कॅरियर पर डीपीएस में विशेष सत्र

उदयपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल में बारहवीं के छात्रों को भारतीय सेना में विभिन्न कॅरियर विकल्पों के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष सत्र आयोजित किया गया। सत्र को कैप्टन गौरव चौधरी ने संबोधित किया। उन्होंने अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करते हुए छात्रों को भारतीय सेना में उपलब्ध विभिन्न पदों, उनके कर्तव्यों, कॅरियर, अनुशासन, नेतृत्व कौशल और देश सेवा की भावना के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में शामिल होना न केवल सम्मान की बात है, बल्कि यह एक ऐसा कॅरियर है जो व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के असीमित अवसर प्रदान करता है। प्राचार्य श्री संजय नरवरिया ने कैप्टन चौधरी का अभिनंदन कर स्मृति चिह्न भेंट किया।

शोक संदेश

श्री चान्दमल जी सोनी

स्वर्गवास : 19.07.2024

श्रद्धावनत

शोकाकुल: मोहनदेवी (पत्नी), रामचन्द्र–भगवतीदेवी, परसराम–रोशनी देवी, स्व.छगनलाल–पानी देवी, गीता देवी, सुरेशचन्द्र–दुर्गा देवी (भाई–भाभी), मुरलीधर–मंजू, राधेश्याम–बीना, कैलाश–राजेश्वरी (पुत्र–पुत्रवधु), विद्यादेवी–गौरीशंकरजी, गिरजा–सुरेन्द्रजी, राजकुमारी–सुनील जी (भतीजी–भतीजी दामाद), प्रहलाद–रानी, स्व. राजकुमार–लता, स्व. अशोक–सुधा, राजीव–भूमिका, द्वारकेश–ज्योति (भतीजा–भतीजा बहू), रेणु–अमितजी, क्षिप्रा–ललित जी, प्रज्ञा–नवदीपजी, सुनैना–विशालजी (पौत्री–पौत्रीदामाद), रवि–सुधा, लखन–श्वेता, चेतन्य–श्रुति, राजन–शीतल, लक्ष्मण (पौत्र–पौत्रवधु) समस्त जांगलवा परिवार, फतहनगर उदयपुर

फर्म

- **राजस्थान एग्रीकल्चर इंडस्ट्रीज,** फतहनगर
- **सोनी मार्बल्स (धर्मेटा),** राजसमंद
- **सोनी मार्बल एण्ड माइनिंग प्राईवेट लिमिटेड,** करजिया घाटी, नाथद्वारा
- **ओबजर्व ऑनलाइन सर्विसेज प्रा. लि.,** उदयपुर

सितारों का सियासी सफ़र

अमित शर्मा

फिल्म एवं टेलिवीजन कलाकारों का राजनीति में आना नई बात नहीं है। कुछ तो केन्द्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा भी रहे हैं। जिनमें सुनील दत्त, शत्रुघ्न सिन्हा, विनोद खन्ना, स्मृति ईरानी, बाबुल सुप्रियो शामिल हैं। लेकिन 'रामायण' और 'महाभारत' दो ऐसे टीवी धारावाहिक रहे हैं, जिनके अधिकतर प्रमुख पात्र संसद तक पहुंचे। रामायण में श्रीराम की भूमिका निभाने वाले अरूण गोविल हाल ही सम्पन्न लोकसभा चुनाव में मेरठ से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीत कर संसद में पहुंचे हैं। उनसे पहले भी रामायण और महाभारत के कई पात्र सियासी पारी खेल चुके हैं। अरूण गोविल का जन्म 12 फरवरी 1958 को मेरठ छावनी में हुआ। उनकी प्रारंभिक पढ़ाई-लिखाई मेरठ में हुई। सहारनपुर व शाहजंहापुर से इंजीनियरिंग की शिक्षा पूरी की। अभिनय का शौक बचपन से रहा। कुछ नाटकों में भी काम किया। धारावाहिक 'रामायण' में सीता का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री दीपिका चिखलिया और रावण का किरदार निभाने वाले अभिनेता अरविंद त्रिवेदी काफी पहले सांसद में रह चुके हैं।

'रामायण' धारावाहिक में हनुमान का किरदार निभाने विश्वविख्यात पहलवान दारा सिंह भी खुद को राजनीति से दूर नहीं रख पाए थे। दारा सिंह भाजपा से जुड़े थे। वे साल 2003 से 2009 तक राज्यसभा के नामित सदस्य रहे। ऐसा नहीं है कि केवल 'रामायण' धारावाहिक के कलाकार ही राजनीति में आए। दूरदर्शन के एक अन्य पौराणिक धारावाहिक 'महाभारत' के कलाकारों ने भी राजनीति में भाग्य आजमाया। महाभारत में कृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतीश भारद्वाज 1996 में जमशेदपुर से लोकसभा के लिए चुने गए। मध्यप्रदेश के रहने वाले नीतीश भारद्वाज ने तब के दिग्गज नेता जनता दल उम्मीदवार इंदर सिंह नामधारी को 55,137 मतों से हराया था। 'महाभारत' में द्रौपदी का किरदार निभाने वालीं रूपा गांगुली दो साल पहले राज्यसभा से सेवानिवृत्त हुई। वे भाजपा की नेता हैं। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना एवं फिल्मों की सुपर स्टार हेमा मालिनी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मथुरा सीट से जीत की हैट्रिक लगाई है। उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी मुकेश धनगर को 293407 वोटों के भारी अन्तर से हराया। 2019 में उन्होंने आरएलडी उम्मीदवार कुंवर नरेन्द्र सिंह को 3,55,822 वोटों से हराया। उनके खिलाफ अन्य 12 प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में थे। तब कांग्रेस के महेश पाठक 28,084 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

शत्रुघ्न सिन्हा

अरुण गोविल

एक क्षेत्र में कामयाबी दूसरे क्षेत्र में सफलता की गारंटी नहीं, यही बात बॉलीवुड के अभिनेताओं पर भी लागू होती है, जो लोकप्रियता के बावजूद राजनीति में नाम नहीं कमा पाए। लेकिन लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है। 18वीं लोकसभा में भी बॉलीवुड के कई सितारे संसद तक पहुंचने में सफल हुए हैं। जिनमें हेमा मालिनी अरूण गोविल, शत्रुघ्न सिंहा, मनोज तिवारी, चिराग पासवान, रवि किशन, भी शामिल हैं।

'सीता' दीपिका भी रही हैं भाजपा की सांसद

रामायण की सीता माता यानी दीपिका चिखलिया साल 1991 भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीत चुकी हैं। उन्होंने गुजरात की वडोदरा सीट से जीत हासिल की थी।

'रावण' अरविंद साबरकांठा से जीते थे चुनाव

रामायण के रावण यानी अरविंद त्रिवेदी ने 1991 में बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। वे गुजरात के साबरकांठा सीट से जीते थे। वर्ष 2002 में वह सेंसर बोर्ड के एक्टिंग चेयरमैन भी बने।

यदि 2014 के चुनाव की बात करें तो उन्होंने 20 उम्मीदवारों को परास्त कर जीत हासिल की। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय लोकदल के (वर्तमान में केन्द्रीय मंत्री) जयंत चौधरी को 2,43,890 वोट मिले थे जबकि हेमा मालिनी ने 5,74,633 वोट हासिल किए। इस चुनाव में बसपा उम्मीदवार पं. योगेश द्विवेदी 1,73,572 वोट हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे थे। हेमा ने अब तक 200 से अधिक फिल्मों में काम किया है। उल्लेखनीय है कि उनके अभिनेता पति धर्मेन्द्र भी 2004 में बीकानेर (राजस्थान) से भाजपा के टिकट पर सांसद निर्वाचित हुए।

भारत रत्न लता मंगेशकर, नरगिस दत्त, वैजयन्ती माला, रेखा, जया बच्चन भी राज्यसभा सदस्य रही हैं। वैजयन्तीमाला ने कांग्रेस के टिकट पर 1984 और 1989 में दक्षिण चैन्नई से लोकसभा चुनाव भी जीता। बाद में वे (1999) भाजपा में शामिल हो गईं। सुपर स्टार राजेश खन्ना 1991 में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव मैदान में नई दिल्ली से उतरे लेकिन भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी से हार गए। बाद में उन्होंने इसी सीट से 1992 में उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा को हराया। सुनील दत्त अपनी पत्नी नरगिस की असमय मृत्यु के बाद सक्रिय राजनीति में उतरे, उन्होंने 1984 में मुंबई उत्तर-पश्चिम सीट से चुनाव जीतकर लोकसभा में प्रवेश किया। वह इस सीट पर 2004 तक लगातार चुने गए। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन राजनीति के क्षेत्र में 1984 से 1987 तक रहे। उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर इलाहाबाद लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा को हराया, हालांकि उन्हें राजनीति रास नहीं आई और बीच सत्र में ही लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। डांसिंग स्टार गोविंदा 2004 में कांग्रेस से उत्तर-मुम्बई सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। उन्होंने भाजपा के दिग्गज नेता श्रीराम नाईक को पराजित किया। जयप्रदा भी समाजवादी पार्टी से दो बार लोकसभा में रामपुर (उप्र) से सदस्य निर्वाचित हुई। तेलुगु-कन्नड़ फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री विजया शांति ने भी 2009 में तेलंगाना राष्ट्र समिति के टिकट पर आंध्रप्रदेश के मेडक संसदीय क्षेत्र से चुनाव जीता था। राजबब्बर ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत समाजवादी पार्टी में शामिल होकर की और 1999 और 2004 में उत्तर प्रदेश की आगरा सीट से संसद सदस्य रहे। उन्होंने 2009 में फिरोजाबाद से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीता। कांग्रेस के ही टिकट पर 2014 में गाजियाबाद से चुनाव लड़े लेकिन हार गए। कई फिल्मों में मां का किरदार व टीवी धारावाहिकों में निर्णायक की भूमिका निभाने वाली किरण खेर चंडीगढ़, बाबुल सुप्रियो आसनसोल, मनमुन सेन बाकुरा, परेश रावल अहमदाबाद, सनी देओल गुरूदासपुर व बांग्ला फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती जाधवपुर सीट से पिछले चुनावों में जीत कर लोकसभा में अपने-अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। हाल ही सम्पन्न चुनाव में चिराग पासवान बिहार की जुमई(सु) सीट से जीत कर इस समय केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हैं। वे भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता रहे हैं। भोजपुरी फिल्मों के ही एक और अभिनेता रवि किशन (गोरखपुर) भी इस समय दूसरी बार संसद में हैं। मनोज तिवारी उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से चुनाव जीत कर दूसरी बार संसद में पहुंचे हैं।

उपमुख्यमंत्री बने पवन कल्याण

पवन कल्याण दक्षिण फिल्मों के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार हैं। उन्होंने फिल्मों से लेकर राजनीति में अपनी पहचान बनाई है। बतौर अभिनेता उन्होंने कई सफल फिल्में बाक्स आफिस को दीं। उनका जन्म दो सितंबर 1971 को आंध्र प्रदेश के बापटला में हुआ। वास्तविक नाम कोनिदेला कल्याण बाबू है। दक्षिण की फिल्मों के सफल अभिनेता चिरंजीवी पवन के बड़े भाई हैं। कराटे में ब्लैक बेल्ट पवन ने 2013 में विदेशी युवती एना लेझनेवा से तीसरा विवाह किया। दूसरी पत्नी रेणु देसाई से उनके दो बच्चे और अन्ना लीझनेवा के साथ दो और बच्चे हैं। पवन के फिल्मी करिअर की बात करें तो उन्होंने 1996 में 'अक्कदा अम्माई इक्कादा अब्बाई' नामक तेलगु फिल्म से शुरुआत की। 1998 में फिल्म 'थोली प्रेमा' से उन्होंने फिल्म उद्योग में जड़ें जमाना शुरू किया। इस फिल्म में शानदार अभिनय के लिए उन्हें 'नेशनल अवार्ड' मिला।

पहला चुनाव हारे : पवन कल्याणने 2014 में जनसेना पार्टी बनाई, लेकिन चुनाव नहीं लड़ा। साल 2019 में अकेले चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। अपनी हार के बाद भी पवन कल्याण जिद पर अड़े रहे। यही वजह थी कि उनकी जनसेना पार्टी ने 2024 में न सिर्फ वाईएसआरसीपी को हराया बल्कि विधानसभा चुनावों में 21 सीट पर जीत हासिल करते हुए राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी। जनसेना ने तेलगू देशम पार्टी और भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। इस गठबंधन ने जगन मोहन रेड्डी की सत्ताधारी वाईएसआरसीपी को 11 सीट पर सीमित कर सत्ता से बेदखल कर दिया। पवन की पार्टी ने लोकसभा की दो सीट पर भी कब्जा जमाया है। वे आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं।

'राजा भरत' राज बब्बर सबसे सफल नेता

महाभारत में राजा भरत की भूमिका निभाने वाले अभिनेता राज बब्बर यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। समाजवादी पार्टी के टिकट पर तीन बार चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे।

'श्रीकृष्ण' नितीश भी बने थे सांसद

महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नितीश भारद्वाज 1996 के आम चुनाव में बीजेपी के टिकट पर झारखंड के जमशेदपुर से जीते थे। 1999 में वे मध्यप्रदेश के राजगढ़ से चुनाव हार गए थे।

प्रत्यूष

समाज को दीजिए नए भविष्य का सपना

वेदव्यास

जिस तरह बहता हुआ पानी और बोलता हुआ शब्द अपना रास्ता खुद बनाते हैं उसी तरह साहित्य में समाज और समय का संवाद भी अनवरत जारी रहता है। कौन लिखता है कौन पढ़ता है और कौन बोलता है उसकी प्रतिध्वनियां ही मनुष्य के मन और विचार में संवेदना का संसार रचती हैं। ज्ञान और विज्ञान के सभी विकास और सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक समता और विषमता के सभी कुरुक्षेत्र, केवल सृजन और संघर्ष से उदित शब्द ही लड़ते हैं। आज 21वीं शताब्दी के सूचना और प्रौद्योगिकी के हृदयहीन बाजार में इसीलिए हमें कभी-कभी ऐसी भी लगता है कि शायद शब्द कहीं खो गए हैं, मौन हो गए हैं या फिर संवेदनहीन हो गए हैं। लेकिन धैर्य से देखें और सोचें तो आपको दिखाई देगा कि समय का प्रत्येक सत्य, आज भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के बीच अकेला ही संचरण कर रहा है और सृजन के नित्य नए सेतु और वाद-विवाद तथा प्रतिवाद के आधार भी बना रहा है। साहित्य से समाज तक की यह शब्द यात्रा परिवर्तन की एक ऐसी मशाल हैं जो हजारों भाषाओं के साथ करोड़ों की जन चेतना में सद्भाव, सहिष्णुता और मानवीय सरोकारों की खिड़कियां खोलती रहती हैं। कोई 5 हजार साल से सभ्यता और संस्कृति का उज्जवल पथ यह साहित्य ही आलोकित कर रहा है क्योंकि शब्द कभी मरता नहीं है और नूतन विचरण करता रहता है।

राजस्थान को भारत और भारत को विश्व यह साहित्य का सत्य, शिव और सुंदरम् ही बनाता है और धर्म, जाति भाषा और क्षेत्रीयता की सरहदों को लांघकर शब्द की शाश्वत शक्ति और भक्ति का निर्माण भी करता है। राजस्थान ही में कोई दो हजार वर्ष की शब्द और साहित्य की चेतना यह बताती है कि राजपाट और सुख-दु:ख बदलते रहते हैं लेकिन रेत और पानी का रिश्ता कभी नहीं बदलता। धरती और आकाश की इच्छाएं कभी नहीं हारती और शब्द की विश्वसनीयता का गुरुत्वाकर्षण कभी नहीं मरता। आज हमारे समाज में दुर्भाग्य से मनुष्य और प्रकृति के बीच एक ऐसा मनमुटाव बढ़ रहा है कि लोग अपने भूत, भविष्य और वर्तमान की त्रिकाल छाया से ग्रस्त हैं और सामाजिक, आर्थिक गैर बराबरी के जलवायु परिवर्तन से व्याकुल और शोकाकुल अधिक हैं। इधर टैक्नोलॉजी लगातार मनुष्य को दिशाहीन और पैसे की खोज में समाज को संवेदनहीन और केवल सुख-शांति की आवश्यकता, हमारे जीवन दर्शन को अत्यधिक असुरक्षित बना रही है तो उधर सत्ता और व्यवस्था की आदिम हिंसक प्रवृत्तियां, शब्द और सत्य पर निरंतर हमले कर रही हैं। फिर अराजकता के बीच अविश्वनीयता का एक ऐसा माहौल अब बन गया है कि वर्षा ऋतु में कोयल जैसे मौन हो जाती है और मेंढ़क जैसे मुखर-वाचाल हो जाते हैं वैसे ही लेखक और साहित्यकार भी बाजार, मीडिया और राजनीति के कोलाहल में आजकल अपने को अनुसना महसूस कर रहा है। लेकिन, शब्द की नदी सरस्वती भी समय और अज्ञान के अंधेरे में कई बार मन से ओझल हो जाती है लेकिन वह देर-सेवर बूंद-बूंद बनकर, अग्नि परीक्षा का सृजन भी करती है और जन्म से मृत्यु तक मनुष्य की प्राण वायु बनकर बोलती भी है। वैदिक ऋचाओं से लेकर मीरां बाई के पदों तक और रामायण से लेकर महाभारत तक यह शब्द ही साहित्य और समाज को समय के सभी प्रश्नों से मुठभेड़ करना सिखाता है। यह शब्द ही कभी निर्गुण और सगुणधारा बनकर बहते हैं तो यह सृजन का सरोकार ही कभी युद्ध और शांति का भाग्य लिखता है तो यह क्रोंचवध ही कभी शिकारी को ऋषि वाल्मीकि बनाता है तो कभी रवीन्द्रनाथ बनकर घर-घर में गाया जाता है तो कभी स्वामी विवेकानंद बनकर विश्व को धर्म की सनातन सहिष्णु व्याख्या देता है तो कभी भीमराव अंबेडकर बनकर मनुष्य होने का अधिकार और सम्मान भी सिखाता है। इस तरह शब्द कभी निरर्थक, लाचार और उदास नहीं होता तथा वह उपेक्षा और विस्मृति के गर्भ में रहकर भी अधिक प्रखर और अमृतधारा बन जाता है। ऐसे में शब्द और साहित्य का लोकतंत्र-सदैव राजनीति के आगे चलने वाली मशाल ही होता है और राजा की हिंसा में नहीं अपितु प्रजा (जनता) की अहिंसा में ही फलता-फूलता है। सामाजिक चेतना का प्रथम सृजनकर्ता और निर्माता यह शब्द ही है और साहित्यकार इसी पुनर्जागरण का प्रतिफल रचता और गाता है क्योंकि मनुष्य का शाश्वत सत्य तो गरीब और सर्वहारा की मंगलध्वनि में ही युगों-युगों तक प्रवाहमान बना रहता है। अत: घबराइए मत! शब्द और साहित्य को समाज के भीतर व्याप्त गैर बराबरी, हिंसा-प्रतिहिंसा और झूठ-सच को उजागर करने में अर्पित करते हुए वर्तमान समाज को भविष्य का नया सपना दीजिए। शब्द और साहित्य की प्रासंगिकता फिर आज यही है कि यथास्थिति को बदलने का जोखिम उठाएं। रागदरबारी को छोड़कर राग भैरवी और राग कल्याणी गाएं। मनुष्य होने की गरिमा का महाकाव्य सुनाएं और दसों-दिशाओं में व्याप्त मुक्ति संग्राम की जनचेतना को एकजुट बनाएं।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार हैं)

स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

GRACE

Grace Marble & Granite P. Ltd.

Grace Exports

N.H. 8, Amberi, Udaipur - 313 016 (Raj.) India
Tel. : 91-294-2440474, 2440475 Fax : +91-294-2440135
E-mail : grace_export@yahoo.co.in, Info@graceexport.com
Website : www.graceexport.com

नि:शुल्क नेत्र सेवा प्रकल्प

सोमवार से शनिवार

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

तारा संस्थान

के नेत्र चिकित्सालय **तारा नेत्रालय** में नि:शुल्क

PHACO पद्धति द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
नेत्र परीक्षण एवं लेन्स प्रत्यारोपण तथा चश्मे के नम्बर

236, सेक्टर 6, हिरण मगरी (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली),
उदयपुर-313002 (राज.) भारत (+91) 9549399993, 9649399993

अमर और शाश्वत हैं – श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण के जीवन के तीन रूप हैं, इनमें ब्रज लीला, वृंदावन लीला और द्वारिका लीला विशेष है। ब्रज लीला में उनकी बाल लीलाएं हैं, वृंदावन लीला में गोपी एवं राधा के साथ प्रेममयी माधुर्य लीला है और द्वारिका लीला में परब्रह्म संबंधी ईश्वर लीला है। इन तीनों ही लीलाओं में भक्ति रस का पूर्ण प्रवाह है। इसलिए हमारे यहां भक्ति का स्थायी भाव है।

अभिजय शर्मा

उक्त तीनों रूपों में श्रीकृष्ण एक साधारण मानव, नेता, गृहस्थ, योद्धा, सारथी, योगीराज एवं देवता हैं। उनके व्यक्तित्व में कृष्ण भाव को परखने के लिए उनके जीवन और आदर्शों को परखना होगा। माता-पिता से दूर ऐसे घर में पलना-बढ़ना जहां कोई नाता-रिश्ता नहीं। बचपन में ग्वालों के साथ गाय चराना, दही-माखन की चोरी, यशोदा माता के साथ ठिठोली, पूतना और कालिया नाग के प्राण हरना, इंद्र का मान भंग कर गोवर्धन पर्वत प्रतिष्ठित करना, कंस, जरासंध, शिशुपाल जैसे आततायियों का नाश करना। ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे उनके विविध प्रेरणास्पद पक्ष मुखर होते हैं। विभिन्न आलौकिक कृत्यों के बीच श्रीकृष्ण जीवन में माधुर्य का संदेश देना नहीं भूलते। वे विभिन्न प्रकार की बाल क्रीड़ाएं करते हैं, मनमोहक बांसुरी वादन करते हैं तथा रास जैसी मोहक नृत्य विधा का सृजन करते हुए समस्त बृज प्रदेश को महारास के रस में सराबोर कर देते हैं, जिसमें सम्मिलित होने का लोभ संवरण स्वयं देवाधिदेव महादेव भी नहीं कर पाते और स्त्री वेश धारण कर इस महारास में सम्मिलित होते हैं। बृज के समस्त गोप-गोपियां श्रीकृष्ण के साथ भावनात्मक तथा आध्यात्मिक रूप से इतनी गहराई से जुड़े हैं कि श्रीकृष्ण के बिना वे अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। लेकिन बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक आते-आते श्रीकृष्ण अपने 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' के विचार को मूर्त रूप देते हैं। जब कर्तव्यपालन हेतु अपना गांव छोड़ कर जाना पड़ता है तो सभी ग्रामवासी व्याकुल होकर उन्हें रोकने का प्रयास करते हैं, किंतु श्रीकृष्ण भावनाओं के ऊपर कर्तव्य को प्रधानता देते हुए मथुरा को प्रस्थान कर जाते हैं।

विष्णु के पूर्ण अवतार

पुराणों में श्रीकृष्ण को भगवान विष्णु का अवतार माना गया है। विष्णु के अन्य अवतार तो अंश रूप में हैं किन्तु श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के पूर्ण अवतार हैं।

कृष्ण का विराट रूप

महाभारत युद्ध के दौरान वे अर्जुन के सारथी तो बने ही उसे प्रेरित करने हेतु अपना विराट रूप भी दिखाया। उन्होंने अपना विशाल आकार में अपना मुंह खोलकर उसे सम्पूर्ण ब्रम्हाण्ड के दर्शन भी कराए।

श्रीकृष्ण के तेजस्वी और ऐसे विशाल स्वरूप की देखकर तो अर्जुन डर ही गया। उसे कहना ही पड़ा- 'माघव ! आप अपने वास्तविक रूप में आ जाएं।' ऐसा ही प्रसंग है कि यशोदा मैया ने मुह में से मिट्टी निकालने के लिए मुंह खोलने को कहा तो कृष्ण ने इतने विशाल आकार में मुंह खोला कि यशोदा माता को उनके मुंह में पूरा ब्रह्मांड समाया दिखाई दिया और वे भी इस रूप से सहसा सहम गई।

हमेशा सहायक बनें

कृष्ण ने दीन-दुःखी की हमेशा सहायता की। बचपन के परम मित्र दीन-हीन सुदामा को देख वे द्रवित हो गए उन्होंने अपने ऐश्वर्य से न केवल सुदामा को बल्कि पूरे गांव को धन, धान्य से पुष्ट कर दिया। चीर हरण के समय द्रौपदी की लाज रखी। नानी बाई के मायरे के समय भक्त नरसी मेहता की हुंडी सिकार दी। दुर्योधन के छप्पन भोग छोड़कर दासी पुत्र विदुर की कुटिया में साग-रोटी खाकर उन्हें धन्य कर दिया। कृष्ण के जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव, संघर्ष और झंझावात हैं। इसी कारण भारतीय मन पर श्रीकृष्ण ने जितने दीर्घकाल तक राज किया, दूसरा कोई न कर सका। इसीलिए श्रीकृष्ण भारतीय भूमि पर अमर शाश्वत हैं।

स्वाद से भरपूर

सेहत का साथी भुट्टा

डॉ. संदीप गर्ग

इन दिनों बाज़ार में भुट्टे खूब आ रहे हैं। इसमें बहुत सारे गुण हैं। दुनिया भर में इसे बड़े चाव से खाया जाता है। भुट्टे के पकने पर प्राप्त मक्का की कई तरह की डिश बनाई जाती है। इसमें खूब सारे विटामिन और मिनरल होते हैं। मक्का की खेती सर्वप्रथम 2100ई. पूर्व अमेरिका में हुई। इसके बाद धीर-धीरे दुनियाभर में इसकी पैदावार होने लगी। इसका सर्वाधिक उत्पादन अमेरिका के बाद चीन में होता है। भारत, मेक्सिको, इंडोनेशिया, फ्रांस, द. अफ्रीका, अर्जेन्टीना, और यूक्रेन में भी इसका उत्पान खूब है। गर्मागर्म भुट्टे या पॉपकार्न का मजा ही कुछ ओर है। सर्दियों में मक्का की रोटी और सरसों की भाजी के स्वाद का तो अपना अलग ही मिज़ाज और अन्दाज है। बाज़ार में इन दिनों भुट्टे खूब आरहे हैं। जो खाने में तो रूचिकर हैं ही, सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं। कफ-पित्त का नाश करता है। इसमें विटामिन ए-बी, फास्फोरस, पोटैशियम, कैल्शियम, फाइबर, आयरन, आर्गेनिक अम्ल, फैट और प्रोटीन की मात्रा भरपूर होती है। यह ऊर्जा का भी अच्छा स्त्रोत है। मक्का के आटे और दलिये से बनने वाली कई तरह की डिश आपको स्वाद और सेहत देगी। बरसात में

भुट्टे के पकौड़ों का तो कहना ही क्या।

- टीबी और लीवर को समस्या से पीड़ित रोगी को मक्का की रोटी खाने से फायदा होता है।
- मक्का के भुट्टे को जलाकर राख बना लें। इसमें स्वादानुसार सेंधा नमक डालें। आधा-आधा चम्मच सुबह-शाम गर्म पानी के साथ लें। खासी से राहत मिलेगी।
- उल्टी रोकने के लिए भुट्टे के कुछ दानों को जलाकर राख बना लें और आधा ग्राम राख शहद के साथ चाटें, तुरंत लाभ होगा।
- अधिक रेशे वाला भोजन होने के कारण यह वजन घटाने में भी काफी कारगर साबित होता है।
- मक्का के छोटे पौधों को एकत्र कर इसे पानी में उबालकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े को टब में भरकर उसमें बैठने से बवासीर (पाइल्स) के दर्द में फायदा पहुंचता है। और लंबे समय तक इस्तेमाल करने से बवासीर पूरी तरह ठीक हो जाती है।
- पथरी के रोग से बचाव के लिए मक्का के बालों (सिल्क) को रातभर पानी में भिगोएं। सुबह सिल्क हटाकर पानी को पीएं। नियमित प्रयोग से लाभ होगा।
- ताजा छिले हुए भुट्टों को पानी में उबाल लें। इस पानी में मिसरी मिलाकर पीएं। पेशाब की जलन और गुर्दों की कमजोरी दूर होगी।
- भुट्टे से दाने निकालकर उन्हे जलाकर राख बना लें। आधा ग्राम राख (चूर्ण) ताजा मक्खन के साथ खाने से दिल की कमजोरी दूर होगी।
- मक्का का प्रयोग अमाशय को मजबूत बनाता है और यह खून को बढ़ाने वाला है।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

ब्रिटेन की सत्ता पर लेबर पार्टी का कब्जा

ऋषि सुनक तो जीते पर पार्टी हार गई

भगवान प्रसाद गौड़

ब्रिटेन में लेबर पार्टी 14 साल के इंतजार को खत्म करते हुए 5 जुलाई को वापस सत्ता में लौटी। कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी ने 4 जुलाई को हुए चुनाव में जबरदस्त जीत दर्ज की और निर्वतमान प्रधानमंत्री भारतवंशी ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा । पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित हो गए। सुनक अपनी सीट पर 23,059 वोट के अंतर से फिर जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। लेबर पार्टी के प्रमुख कीर स्टार्मर का ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बनने का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। उन्होंने पार्टी की कमान वर्ष 2020 में उस समय संभाली, जब पार्टी को पिछले 85 साल में सबसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। कीर स्टार्मर ने साल 2015 में पहला चुनाव जीता। वर्ष 2015, 2017, 2019 में उन्होंने लगातार तीन बार जीत हासिल की और 2020 में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी संभाली। 16 साल की उम्र से ही राजनीति में सक्रिय रहे हैं। वे पेशे से बैरिस्टर हैं। कीर साधारण परिवार से आते हैं। उनका जन्म 2 सितंबर 1962 को साउथवार्क, लंदन में सरी नाम के छोटे से गांव में हुआ था। उनकी मां नेशनल हेल्थ सर्विस में नर्स और पिता कारीगर थे।

दो गुने हुए भारतवंशी सांसद

पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार लगभग दो गुने 26 भारतवंशियों ने भी जीत का परचम लहराया है। इससे पूर्व 2019 के आम चुनाव में 15 भारतवंशी जीते थे। संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के लिए सबसे अधिक भारतवंशी लेबर पार्टी के टिकट पर जीते हैं।

ऋषि सुनक
पार्टी – कंजर्वेटिव
अक्टूबर 2022 में ब्रिटेन के पीएम बने थे

प्रीति पटेल
पार्टी – कंजर्वेटिव
ब्रिटेन की गृह मंत्री रह चुकी हैं

सीमा मल्होत्रा
पार्टी – लेबर
भारतीय मूल की पहली शैडो मंत्री बनी

प्रीत कौर गिल
पार्टी – लेबर
ब्रिटेन की पहली महिला सिख सांसद

इन्हें लेबर पार्टी से जीत मिली

1. वेलेरी वेज
2. लीसा नंदी
3. तन्मजीत सिंह
4. नवेंदु मिश्रा
5. नादिया व्हिट्टोम
6. जस अथवाल
7. बैगी शंकर
8. सतवीर कौर
9. हरप्रीत उप्पल
10. वरिंदर जस
11. गुरिंदर जोसन
12. कनिष्का नारायण
13. सोनिया कुमार
14. सुरीना ब्रेकनब्रिज
15. किरिथ एंटविस्टल
16. जीवुन संघेर
17. सोजन जोसफ

हार की पांच वजह

1 ब्रिटेन कई संकटों का सामना कर रहा है। इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण अर्थव्यवस्था है। 2023 में ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में सिर्फ 0.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इस साल की शुरुआत में मंदी आ गई।

2 यहां जीवन यापन मुश्किल हो गया है। अक्तूबर, 2022 में महंगाई 40 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और हाल ही में इसमें कमी आई है, लेकिन महंगाई ने लोगों को नाराज कर दिया।

3 ब्रिटेन में सार्वजनिक सेवाएं चरमरा गई हैं। नेशनल हेल्थ सर्विस के सामने फंड का संकट उत्पन्न हो गया है।

4 आप्रावसन खासकर तुर्की, ईरान और अफगानिस्तान से शरण की तलाश में ब्रिटेन आने वाले लोगों ने पश्चिमी देश की चिंता बढ़ा दी है। यह देश के लिए एक गंभीर मुद्दा है। इसका दोष कंजर्वेटिव पर ही गया।

5 जन सामान्य का मानना है कि कंजर्वेटिव सरकार स्वास्थ्य और रक्षा से लेकर आव्रजन और अर्थव्यवस्था तक लगभग हर बड़ा मुद्दा संभालने में विफल साबित हुई।

स्टार्मर भारत से नई रणनीतिक साझेदारी के पक्षधर

कीर स्टार्मर ने भारतीय मूल के लोगों के साथ लेबर पार्टी के संबंधों में सकारात्मक बदलाव की वकालत की है। स्टार्मर ने पार्टी को जनादेश मिलने पर भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) समेत नई रणनीतिक साझेदारी का संकल्प जताया है। स्टार्मर ने एक विजय रैली में समथकों से कहा कि बदलाव अब शुरू होगा। दिसंबर, 2019 में चुनावी करारी हार के बाद लेबर पार्टी की किस्मत में प्रभावशाली और विजयी उलटफेर का श्रेय अब जाहिर तौर पर स्टार्मर के खाते में जाएगा। वह ब्रिटिश भारतीयों के साथ अपनी पार्टी के रिश्ते को नए सिरे से आकार देने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूर्व नेता जेरेमी कॉर्बिन के कार्यकाल में कश्मीर पर कथित भारत विरोधी रुख को लेकर प्रभावित हुए थे।

कंजर्वेटिव पार्टी से चुने गए भारतवंशी

1. सुएला ब्रेवरमैन
2. गगन मोहिंद्रा
3. शिवानी राजा

अन्य पार्टी से जीतने वाले

1. मुनीरा विल्सन

पार्टी – लिबरल डेमोक्रेट्स

पाठक पीठ

यह अच्छी बात है कि 'प्रत्यूष' कला और कलाकारों के बारे में भी जानकारी दे रहा है। पिछले अंक में और उससे पिछले अंकों में भी फिल्म और रंगमंच को लेकर जानकारी थी। जुलाई अंक में उदयपुर के कुछ समर्पित नाट्य कर्मियों के संघर्ष को लेकर लिखा गया ओमपाल सिलन का आलेख अच्छा लगा।

प्रो. (डॉ.) पृथ्वी यादव, कुलपति, सिघानिया यूनिवर्सिटी

माह जुलाई का 'प्रत्यूष' अंक हाल ही सम्पन्न लोकसभा चुनावों के परिणाम और उसके विश्लेषण पर आधारित था। सम्पादकीय भी भाजपा के निर्धारित लक्ष्य को न पाने के कारणों पर प्रकाश डालता दिखाई दिया। इन चुनावों में मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से इस बात का संकेत दिया है कि आम आदमी की बुनियादी समस्याओं को सुलझाए बिना कोई भी पार्टी जनता का विश्वास हासिल नहीं कर सकती।

शंकरलाल हिण्डोलिया, ज्वाइंट जनरल मैनेजर, एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, मुम्बई एयरपोर्ट

जुलाई का 'प्रत्यूष' मिला। इसमें स्वास्थ्य, चिकित्सा, राजनीति, धर्म, रंगमंच, बागवानी, योग सहित विविध विषयों पर सारगर्मित आलेख थे। निश्चय ही प्रत्यूष एक परिवार की पठनीय पत्रिका है। मेरा सुझाव है कि इसमें रंगीन पृष्ठों की संख्या को बढ़ाया जाए।

एस.के. कौशिक, सीएमडी, आर.के. प्रोपर्टी एण्ड कंसल्टेंट

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी तत्व फिर सिर उठाने लगे हैं, रियासी और माचेड़ी वनक्षेत्र में हुई घटना हृदय विदारक है। जिनमें जयपुर के एक पर्यटक परिवार के 4 लोगों को मार डाला गया व 4 जवान शहीद हुए। हालांकि पिछले वर्षों के मुकाबले हालात नियंत्रण में जरूर हैं। लोकसभा के पांचों निर्वाचन क्षेत्रों में 58 प्रतिशत मतदान इसका प्रमाण है। सरकार को अब शीघ्रतातिशीघ्र विधान चुनाव करवा कर हालात को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाना चाहिए। रियासी की घटना पर गौरव शर्मा का आलेख मार्मिक और चेतावनी पूर्ण था।

आयुष सेठी, उद्योगपति

प्रत्यूष

भाजपा पर भारी विपक्ष

'इंडिया' को दस सीट एनडीए दो पर सिमटा

इसी साल 19 अप्रैल से 1 जून के बीच हुए 18वीं लोकसभा के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी भाजपा केंद्रीय सत्ता की 'हैट्रिक' करने में तो सफल रही, लेकिन उसकी अपनी सीटें 303 से घट कर 240 रह गई और बहुमत के लिए उसे तेलगू देशम पार्टी एवं जनता दल (यू) जैसे सहयोगी दलों पर निर्भर होना पड़ा। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस 99 और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मिल कर 234 सीटें ही जीत पाया। इसलिए भाजपा ने लोकसभा चुनाव में लगे झटके को भी अपनी जीत और जनता का आशीर्वाद बताया, लेकिन इन विधानसभा उपचुनाव नतीजों ने फिर खतरे की घंटी बजा दी है कि जमीन पर उसके लिए सब कुछ ठीक नहीं है।

उमेश शर्मा

सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव में भाजपा को झटका लगा है, जबकि कांग्रेस फायदे में रही है। दोनों दलों के गठबंधनों में भी एनडीए पर इंडिया गठबंधन के दल भारी पड़े हैं। भाजपा को उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश में नुकसान हुआ है, हालांकि मध्य प्रदेश में वह कांग्रेस से एक सीट छीनने में सफल रही। बिहार में जद (यू) ने भी अपनी सीट खो दी है। लाभ की स्थिति में तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस, आप व द्रमुक रही है। कैसे 13 में से 3 सीटें ही भाजपा के पास थीं, इसलिए तकनीकी रूप से उसे मात्र एक सीट का नुकसान हुआ है, पर कुल उपचुनाव परिणाम का राजनीतिक संदेश उसके लिए नकारात्मक माना जा रहा है।

लोकसभा चुनावों के ठीक बाद 10 जुलाई को सम्पन्न विधानसभा उप चुनावों का जीत हार से ज्यादा रणनीतिक महत्व था। इसमें भाजपा की रणनीति पर कांग्रेस व उसके सहयोगी दल भारी पड़े हैं। इन उपचुनावों में भाजपा के पास तीन सीटें थीं, लेकिन उसे दो ही मिली हैं, जबकि कांग्रेस दो से बढ़कर चार हो गई है। भाजपा को दूसरे दलों या निर्दलीय विधायकों को अपने पाले में लाने का ज्यादा लाभ नहीं मिला। द्रमुक और आप अपनी सीटें बचाने में सफल रहे, जबकि जदयू ने एक सीट गंवाई है।

कहां कौन जीता

पश्चिम बंगाल : बागदा से तृणमूल कांग्रेस की मधुपर्णा ठाकुर, मानिकतला सीट पर तृणमूल प्रत्याशी सुप्ति पांडे, रायगंज में कृष्णा कल्याणी और राणाघाट दक्षिण से तृणमूल के मुकुट मणि अधिकारी ने जीत दर्ज की।
हिमाचल प्रदेश : हमीरपुर सीट पर भाजपा के आशीष शर्मा, देहरा सीट पर कांग्रेस की कमलेश ठाकुर और नालागढ़ में कांग्रेस के हरदीप ङ्क्षसह बावा ने जीत दर्ज की।
उत्तराखंड : बद्रीनाथ से कांग्रेस के प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला ने और मंगलौर सीट के कांग्रेस के काजी निजामुद्दीन जीते।
बिहार : रुपौली सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने जीत दर्ज की।
पंजाब : जालंधर पश्चिम सीट पर आप के मोहिंदर भगत जीते।
मध्यप्रदेश : अमरवाड़ा सीट पर भाजपा के कमलेश प्रताप शाह जीते।
तमिलनाडु : विक्रवांडी सीट पर द्रमुक के अन्नियूर शिवा ने जीत दर्ज की।

'उपचुनाव के नतीजों से साफ है कि देश के लोग तानाशाही को खत्म करना चाहते हैं। वे न्याय का शासन स्थापित करने को 'इंडिया' के साथ खड़े हैं।'

*–**राहुल गांधी,** नेता प्रतिपक्ष*

सुक्खू ने बचाई साख

हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस में सेंध और निर्दलीय विधायकों को साथ लाकर भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। इसके साथ ही उसने कांग्रेस की सुक्खू सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी थी। उस समय भाजपा के साथ तीन निर्दलीय विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे और इस्तीफा दे दिया था। इन उपचुनावों में तीनों भाजपा उम्मीदवार के रूप में उतरे, लेकिन हमीरपुर में आशीष शर्मा ही जीत हासिल कर सके। नालागढ़ में केएल ठाकुर व देहरा में होशियार सिंह हार गए। देहरा सीट बनने के बाद कांग्रेस ने कभी नहीं जीती थी, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर जीतने

में सफल रही। नालागढ़ से भी कांग्रेस के हरदीप सिंह बाबा जीतने में सफल रहे। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की चारों सीटों पर जीत दर्ज की थी।

बढ़त नहीं बना पाई भाजपा

उत्तराखंड में जिन दो सीटों के लिए उपचुनाव हुए वह भाजपा के पास नहीं थी। बद्रीनाथ के कांग्रेस विधायक राजेंद्र भंडारी लोकसभा चुनाव के समय भाजपा में शामिल हो गए थे। उनके इस्तीफा देने से हुए उपचुनाव में भंडारी भाजपा से चुनाव लड़े, लेकिन कांग्रेस के लखपत सिंह बुटौला से हार गए। यहां की मंगलौर सीट बसपा विधायक के निधन से खाली हुई थी। इस सीट को भी कांग्रेस के काजी मो. निजामुद्दीन ने भाजपा के करतार सिंह भड़ाना को हराकर जीता। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की सभी पांच सीटें जीती थीं।

भाजपा छोड़ तृणमूल में गए तीनों जीते

प. बंगाल में भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में गए तीनों नेता जीत गए। जबकि एक

उपचुनाव तृणमूल की सीट पर ही हुआ था। इस तरह से यहां पर भाजपा की तीन सीटें कम हो गई हैं।

बिहार में निर्दलीय सब पर भारी

बिहार में रुपौली में भाजपा की सहयोगी जदयू को हार का सामना करना पड़ा। यहां पर निर्दलीय शंकर सिंह सब पर भारी पड़े। यह सीट जदयू की विधायक बीमा भारती के राजद में जाने से खाली हुई थी। बीमा भारती पराजित हुई।

कमलनाथ का गढ़ तोड़ा

मध्य प्रदेश में कमलनाथ के गढ़ को भाजपा ने फिर तोड़ा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने छिंदवाड़ा में कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ को हराया था। बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने छिंदवाड़ा की सभी आठ सीटें जीती थीं। बाद में अमरवाड़ा के विधायक कमलेश शाह भाजपा में शामिल हो गए थे। इस सीट पर उपचुनाव में शाह ने जीत दर्ज की है।

Happy Independence Day

Ashok Jain 9214453927
Sanjay Jain 9414263666

Bright Home

"A" Class Govt. Contractor & Supplier

33-11KV Overhead Line Material, Industrial Lighting, HT & LT Cables, Cable Joint Kits, Control Panels, Transformers, Switchegers, G.O.D.O. Set

247/3, Bapu Bazar, Udaipur - 313001, Ph.: 0294-2422147, E-mail : bright_home@yahoo.com

प्रत्यूष

26 जांबाज को वीरता पुरस्कार

उदयपुर के मेजर मुस्तफा को मरणोपरांत शौर्य चक्र

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने मातृभूमि की रक्षा करने वाले दस जांबाजों को कीर्ति चक्र तथा 26 को 5 जुलाई को शौर्य चक्र प्रदान किए। सात कीर्ति चक्र और सात शौर्य चक्र मरणोपरांत दिए गए। कीर्ति चक्र से सम्मानित होने वाले रणबांकुरों में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निरीक्षक दिलीपकुमार दास, हैड कांस्टेबल राजकुमार यादव, सिपाही बबलू राभा, सिपाही शंभू राय शामिल हैं। इन सभी को यह सम्मान मरणोरांत दिया गया। इसके अलावा राष्ट्रीय राइफल्स के सिपाही पवन कुमार और सेना मेडिकल कोर के कैप्टन अंशुमानसिंह तथा सेना की पैराशूट रेजिमेंट के हवलदार अब्दुल मजिद को भी मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। सेना की पैराशूट रेजिमेंट के मेजर दिग्विजय सिंह रावत, सिख रेजिमेंट के मेजर दीपेन्द्र विक्रम बेसनेट और महार रेजिमेंट के नायब सूबेदार पवन कुमार यादव को भी कीर्ति चक्र प्रदान किया गया। जम्मू कश्मीर पुलिस के सिपाही सैफुल्ला कादरी, सेना के मेजर विकास भांभू, मेजर मुस्तफा बोहरा, राष्ट्रीय राइफल्स के राइफलमैन कुलभूषण मांता, राजपुताना राइफल्स के हवलदार विवेकसिंह, असम राइफल्स के राइफलमैन आलोक राव और राष्ट्रीय राइफल्स के कैप्टन एमवी प्रांजल को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

मुस्तफा हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुए थे शहीद

उदयपुर जिले के वल्लभनगर खेरोदा गांव में जन्मे मुस्तफा 21 अक्टूबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में शहीद हो गए थे। उस दिन उन्होंने एक मिशन के लिए अपने साथियों के साथ उड़ान भरी थी। वे मिशन पूरा कर लौट रहे थे तब हेलिकॉप्टर में आग लग गई थी। उस समय हेलीकॉप्टर नीचे उतारा जा सकता था, लेकिन नीचे आबादी क्षेत्र के साथ आर्मी का बेस था, ऐसे में बड़ी जनहानि हो सकती थी, इसलिए वहां हेलीकॉप्टर नहीं उतार कर उन्होंने उसे जंगल की तरफ मोड़ दिया और यह हादसा हो गया। राष्ट्रपति से मुस्तफा की मां फातिमा व पिता जकियुद्दीन ने सम्मान ग्रहण किया। मुस्तफा शौर्यचक्र सम्मान प्राप्त करने वाले उदयपुर जिले के पहले सैन्य अधिकारी हैं। सम्मान ग्रहण कर उदयपुर लौटे माता-पिता का विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों द्वारा आत्मीयता से भव्य स्वागत किया गया।

-उदय प्रजापत

अजब

इन्सान ने सांप को डसा, मौत

पटना : सांप को काटने से मौत की घटनाएं तो हम आए दिन सुनते, अखबारों में पढ़ते ही रहते हैं लेकिन बिहार में इसके उलट हो गया। इन्सान के काटने से सांप को ही प्राण गवांने पड़े। घटना इस प्रकार बताई जाती है कि रजौली के जंगल में पटरियां बिछा रहे रेलवे कर्मी सन्तोष लोहार दिन भर काम करने के बाद थका-हारा सोने की तैयारी में था, तभी फुफकारते आए सांप ने उसे काट लिया। लोहार ने भी आव देखा न ताव तत्काल सांप को पकड़ लिया और उसी की तरह उसे दो बार दांतों से काट कर फेक दिया। देखते ही देखते सांप तड़पता हुआ मर गया।

पर्यावरण को समर्पित हरियाली अमावस्या

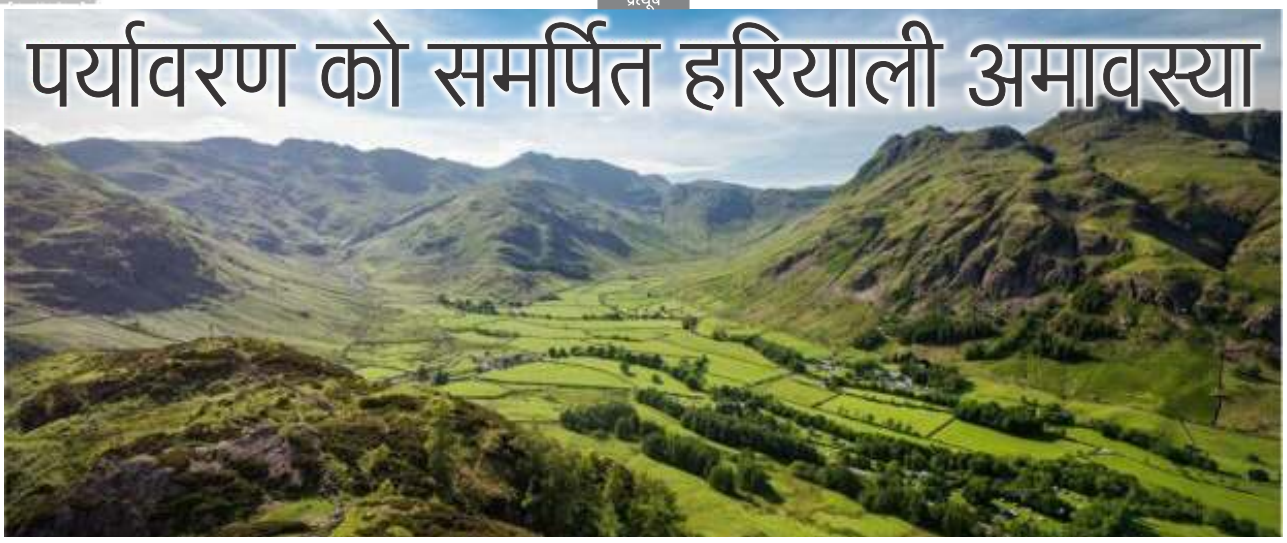

श्रावण कृष्ण अमावस्या को हरियाली अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। यह त्यौहार सावन में प्रकृति पर आई बहार की खुशियों का जश्न है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को प्रकृति के करीब लाना है। गांवों में इस दिन मेले लगाए जाते हैं तो कहीं दंगल का आयोजन भी किया जाता है। कुछ स्थानों पर इस दिन पीपल के वृक्ष की पूजा कर उसके फेरे लगाने तथा मालपुए का भोग लगाने की परंपरा है। ऐसी भी मान्यता है कि इस दिन हर व्यक्ति को एक पौधा अवश्य रोपना चाहिए। इस बार यह त्यौहार 04 अगस्त को है। धार्मिक मान्यता अनुसार वृक्षों में देवताओं का वास है। शास्त्र अनुसार पीपल के वृक्ष में त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु व शिव का वास होता है। इसी प्रकार आंवले के पेड़ में लक्ष्मीनारायण के विराजमान रहने की परिकल्पना है। इसके पीछे वृक्षों को संरक्षित रखने की भावना निहित है। पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए ही हरियाली अमावस्या के दिन वृक्षारोपण करने की प्रथा बनी। इस दिन कई शहरों व गांवों में हरियाली अमावस्या के मेलों का आयोजन होता है। जिनमें सभी वर्ग के लोगों के साथ युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हो उत्सव को आनंद पूर्वक मनाते हैं। गुड़ व गेहूं की धानी का प्रसाद दिया जाता है। स्त्री व पुरुष इस दिन गेंहूं, ज्वार, चना व मक्का की सांकेतिक बुआई करते हैं जिससे कृषि उत्पादन की स्थिति क्या होगी का अनुमान लगाया जाता है। मध्यप्रदेश में मालवा व निमाड़, राजस्थान के दक्षिण पश्चिम, गुजरात के पूर्वोत्तर क्षेत्रों, उत्तरप्रदेश के दक्षिण पश्चिमी इलाकों के साथ ही हरियाणा व पंजाब में हरियाली अमावस्या को को भारी उत्साह से मनाया जाता है। उदयपुर (राज.) में इस दिन फतहसागर झील की पाल पर दो दिन का विशाल मेला भरता है, दूसरे दिन यह केवल महिलाओं के लिए होता है। इसी तरह उदयपुर के ही महाराणा प्रताप एयरपोर्ट (डबोक) के निकट धूनी माता की पहाड़ी पर भी विशाल मेला लगता है, जिसमें आसपास गांवों के हजारों स्त्री-पुरुष बच्चे अपने परम्परागत परिधानों में शामिल होते हैं। ***-दुर्गेश मेनारिया***

लघुकथा

जीवन समुद्र

समुद्र के किनारे जब एक तेज लहर आई तो एक बच्चे की चप्पल को अपने साथ बहा ले गई।

बच्चा रेत पर अंगुली से लिखता है... समुद्र चोर है।

उसी समुद्र के दूसरे किनारे पर एक मछुआरा बहुत सारी मछलियां पकड़ लेता है।

वह उसी रेत पर लिखता है... समुद्र मेरा पालनहार है।

वहीं एक युवक लहरों संग खेलते हुए समुद्र में डूबकर मर जाता है।

उसकी मां रेत पर लिखती है... समुद्र हत्यारा है।

दूसरे किनारे पर एक गरीब बूढ़ा टेढी कमर लिए रेत पर टहल रहा था.. उसे एक बड़े सीप में एक अनमोल मोती मिल गया।

वह रेत पर लिखता है... समुद्र बहुत उदार और दानी है।

अचानक एक बड़ी लहर आती है और सारे लिखे हुए को मिटाकर चली जाती है। मतलब समंदर को कहीं कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोगों की उसके बारे में क्या राय है, वो हमेशा अपनी लहरों के संग मस्त रहता है।

अगर विशाल समुद्र बनना है तो जीवन में कभी भी फिजूल बातों पर ध्यान नहीं दें। अपना उफान, उत्साह, शौर्य, पराक्रम और शांति समुंदर की भांति अपने हिसाब से तय करें।

लोगों की राय उनकी परिस्थितियों के हिसाब से बदलती रहती है। अगर मक्खी चाय में गिरे तो चाय फेंक देते हैं और शुद्ध देशी घी में गिरे तो मक्खी फेंक देते हैं। अगर आप अपनी चाल से बढ़ते जा रहे हैं तो न ही प्रशंसा करने वाले के प्रति राग रखतें हैं और न ही आरोप लगाने वाले के प्रति द्वेष। इस समभाव की कोशिश ही हमें समुद्र की तरह विस्तार देती है।

अपने मंगलमय दांपत्य जीवन के लिए विवाहित महिलाएं हरियाली तीज का व्रत रखती हैं। इस अवसर पर खास तरह के मीठे–नमकीन व्यंजन बनाए जाते हैं। इसलिए हम आपके लिए लेकर आए हैं, तीज पर बनने वाले कुछ विशेष व्यंजनों की जानकारी।

तीज के खास व्यंजन

रंजू भाटिया

घेवर

सामग्री

- मैदा : 3 कप
- आइस क्यूब्स : 3–4
- पानी : 4 कप
- दूध : 1/2 कप
- पीला रंग : 1/4 चम्मच
- शुद्ध घी : 1 किलो
- चाशनी के लिए
- चीनी : डेढ कप
- इलायची पावडर : 1 चम्मच
- बादाम (कटे हुए) : 1 चम्मच
- पिस्ता : 1 चमच्य
- दूध : 1 बड़ा चम्मच
- दूध में भिगोया हुआ केसर : 1/2 चम्मच
- चांदी का वर्क : सजावट के लिए

विधि

सबसे पहले चीनी की चाशनी तैयार करके रख दें। उसके बाद एक बड़े कटोरे में घी डालें, फिर दूध, मैदा और एक कप पानी डाल कर घोल बनाएं। अब थोड़े से पानी में पीला रंग मिला लें और उस पानी को मैदे के घोल में डाल दें, जरूरत के हिसाब से घोल में और अधिक पानी मिलाएं, क्योंकि घोल पतला होना चाहिए। अब एक स्टील का गहरा बर्तन लें इसमें आधे तक घी भर दें और गरम कर लें। जब घी गरम हो जाए, तब 50 एमएल गिलास भर के घोल लें और उसे घी के किनारे किनारे डालिए और बीच में एक छेद बनाइए। घोल डालने के बाद उसे थोड़ा–सा समय दीजिए, जिससे वह बैठ जाए, इसके बाद फिर से गिलास भर कर दुबारा वही विधि अपनाइए। जब घेवर एक बार बैठ जाए, तब उसे पकने दीजिए। जब घेवर भूरा होने लगे तो एक करछी को घेवर के बीच के छेद में डाल कर सावधानी से निकाल लें। अब इसका अतिरिक्त घी निकल जाने दें और इसे चाशनी में डुबो दें और थोड़ी–देर के बाद निकाल कर किनारे रख दें, जिससे चाशनी रम जाएगी, जब यह हल्का ठंडा हो जाए, तब इस पर चांदी का वर्क लगा दें और केसर का दूध डालें। कटे हुए मेवे डाल कर इलायची पावडर छिड़क दें। घेवर तैयार है।

गुलाब लड्डू स्पेशल

सामग्री

- कंडेस्ड मिल्क : 400 ग्राम,
- नारियल का बूरा : 350 ग्राम,
- गुलकंद : 200 ग्राम,
- हरी इलायची (पिसी हुई) : एक छोटा चम्मच

विधि

कड़ाही में पूरा कंडेस्ड मिल्क और 300 ग्राम नारियल का बूरा अच्छे से मिक्स करें (50 ग्राम नारियल–बूरा गोले रोल करने के लिए अलग बचा कर रखें)। जब मिक्स हो जाए तो धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए दो मिनट के लिए इसे गर्म करें। जब मिश्रण ठंडा हो जाए, तो इसमें इलायची मिक्स करें और हाथों में थोड़ा सा घी लगाकर इसमें से एक नीबू के जितनी लोई तोड़े, उसे चपटा करके थोड़ा, फैला लें और बीचों–बीच एक छोटा चम्मच गुलकंद रखें। किनारों को आपस में मिलाते हुए इसे गोल–गोल लड्डू की शक्ल दें और बचे हुए नारियल के बूरे में इसे रोल करें। सारे लड्डू इसी तरह बना लें।

हरियाले मावा परवल

सामग्री

- परवल : 250 ग्राम
- मावा : 100 ग्राम
- पनीर : 125 ग्राम
- हरा धनिया, कॉर्नफ्लोर, काली मिर्च : 1 कटोरी बारीक कटा हुआ
- चावल भीगे और पिसे हुए : आधा कटोरी

विधि

मावा भून कर घी निकाल ठंडा कर लें और मिक्सी में मिक्स कर लें। पनीर को धिस लें। अब पनीर, मावा और परवल के मैटेरियल को मिक्स कर उसमें थोड़ा नीबू रस, कटी हरी मिर्च, नमक, काली मिर्च मिलाकर रख लें। अब परवल में मसाला भर कर आधा घंटा फ्रिज में रख दें। अब थोड़े से कॉर्न फ्लोर में पिसे हुए चावल का घोल और दरदरी काली मिर्च मिलाकर डीप फ्राई कर लें। पेपर नेपकिन में रख कर फैला दें। कटा हुआ हरा धनिया डाल कर सर्व करें।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

इस माह धैर्य की परीक्षा हागी, अप्रत्याशित खर्च होगा, काम के बोझ के कारण व्यस्त रहेंगे। अगस्त के मध्य से सकारात्मक बदलाव दिखाई देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, राजकीय एवं शासकीय मामले पक्ष में रहेंगे, संतान पक्ष की ओर से चिंता संभव है।

वृषभ

निरन्तर प्रयास से ही सफलता मिलेगी। मित्र भी सहयोग का हाथ बढ़ायेंगे। कलाकारों को पर्याप्त अवसर मिलेंगे, स्पष्टवादी रहें और आत्मविश्वास के साथ परिवार में अपनी राय प्रकट करें, साझेदारी के कार्यों में लाभ की सम्भावना, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मिथुन

आपको अपने निकटवर्ती लोगों को समझने की कला विकसित करनी होगी। आप अपने शुभ और अशुभ चिन्तकों के बारे में जान पायेंगे, महिने के अन्त में लोग आपकी बात का सम्मान करेंगे, कार्य क्षेत्र में विविधता बनी रहेगी, भाग्य का अच्छा सहयोग मिलेगा, पैतृक मामले पक्ष में रहेंगे।

कर्क

कार्य क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार रहें, छोटे–मोटे कामों के लिए आपको अधिक समय देना पड़ेगा, आपको नई योजना बनानी होगी, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, आय पक्ष प्रबल, भाई–बहिनों के सम्बंधों में मनमुटाव सम्भव।

सिंह

कोई भी साहसिक निर्णय लेने से पूर्व उसके परिणामों के बारे में मंथन करें। पीठ पीछे बुराई करने वाले तकलीफ देंगे, पारिवारिक झगड़ों को बढ़ने न दे, अकारण क्रोध न करें, कार्य क्षेत्र सुकून भरा रहेगा, दुर्घटनाओं से सावधान रहें।

कन्या

निरन्तर प्रयास के सकारात्मक फल मिलेंगे, माह की शुरूआत सफल रहेगी, माह के अन्त में सचेत रहें, काम की वृद्धि के कारण खुद पर दबाव न डालें। व्यर्थ के विचार परेशान करेंगे, व्यापार में साझेदारी ठीक नहीं, परिवार में माँगलिक आयोजन, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

तुला

इस माह सन्तोष जनक काम के साथ आर्थिक लाभ होगा। कार्य क्षेत्र में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा, मानसिक दबाव कम होने से काम की गति बढ़ेगी, शत्रुपक्ष का दमन होगा, सन्तान पक्ष से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे, आयपक्ष से सन्तुष्टि रहेगी।

इस माह के पर्व/त्योहार

4 अगस्त	श्रावण कृष्णा 30	हरियाली अमावस्या
9 अगस्त	श्रावण शुक्ल पंचमी	नाग पंचमी / काल सर्प पूजन मूहर्त / क्रांति दिवस
10 अगस्त	श्रावण शुक्ल षष्ठी	विश्व आदिवासी दिवस भगवान नेमीनाथ जयंती
11 अगस्त	श्रावण शुक्ल सप्तमी	गो. तुलसीदास जयंती
15 अगस्त	श्रावण शुक्ल दशमी	स्वतंत्रता दिवस
19 अगस्त	श्रावण - पूर्णिमा	रक्षाबंधन / गायत्री जयंती
20 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा प्रथमा	सद्भावना दिवस
22 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा तृतीया	कज्जली (सातू) तीज
26 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा अष्टमी	श्री कृष्ण जन्माष्टमी
27 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा नवमी	नंदोत्सव
29 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा एकादशी	पर्युषण प्रारंभ / खेल दिवस
30 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा द्वादशी	गौपूजा, बछ बारस

वृश्चिक

सोच में सकारात्मकता बनाए रखें, अपनी नई जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर पायेंगे, वरिष्ठों का सहयोग हौसला बढ़ाएगा, प्रगति का मार्ग भले ही कठिन हो, लेकिन उसे पार करने में सफल होंगे, घरेलू कर्तव्यों को महत्व दें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

धनु

विरोधियों को परास्त करने के लिए नई रणनीति बनानी होगी, नौकरी या व्यवसाय में उतार–चढ़ाव महसूस कर सकते हैं, सचेत रहें, अप्रिय बाते कहने से बचें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें, कार्य क्षेत्र में अपने लोगों से मनमुटाव सम्भव, भौतिक सुख में कमी सम्भव।

मकर

नौकरी एवं कारोबार में आपको साथियों के सहयोग और विश्वास के साथ काम आगे बढ़ाना होगा, कोई भी निर्णय लेते समय अपनी सीमाओं को समझें। घर परिवार में आनंद के पल बीतेंगे, सन्तान पक्ष से प्रसन्नता रहेगी, आय पक्ष में मजबूती होगी।

कुम्भ

यह खुशियों का महिना है, इच्छानुसार आपके कार्य पूर्ण होंगे, घरेलु स्तर पर अस्थिरता आपको परेशान कर सकती है, जो जातक कारोबार में है, उन्हे बिना लाभ वाले कार्यों से बचना चाहिए। वाहनादि का प्रयोग सचेत होकर करे, जीवन साथी की सलाह से कार्य सम्पन करे।

मीन

विरोधियों से सावधान रहें। आर्थिक मामलों में उतार–चढ़ाव रहेगा। चिंतित रहेंगे, धैर्य रखे, माह के अन्त में धन लाभ के योग बनेंगे, आहार–विहार के नियामों का पालन करें। भाई बहिनों से अपेक्षित सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य नरम रहेगा।

प्रत्यूष समाचार

बाठेड़ा में वेलनेस सेंटर का उद्घाटन

उदयपुर। बाठेड़ा कलां में राजस्थान के पहले होलिस्टिक वेलनेस सेंटर का उद्घाटन असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, संत अवधेशानंद महाराज व चेयरमैन राजेन्द्रकुमार नलवाया ने हवन यज्ञ के साथ किया। राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है कि इस तरह का वेलनेस सेंटर ग्रामीण इलाके में स्थापित किया गया है। इंडिया के बेस्ट प्राकृतिक चिकित्सकों की सेवाएं यहां उपलब्ध होंगी। चेयरमैन राजेन्द्रकुमार नलवाया व वाइस चेयरमैन योगेश कुमार ने बताया कि नदुगले व उनकी टीम की देखरेख में इस नॉन क्यूरेटिव व क्यूरेटिव बीमारियों का उपचार होगा। वेलनेस सेंटर राजस्थान में अपनी तरह का पहला व अनूठा सेंटर है जिसका संचालन ट्रांस होटल एंड रिसोर्ट्स हैदराबाद के माध्यम से होगा। इस अवसर पर प्रेमदेवी नलवाया, आनंद सिंह राठौड़, राघवेन्द्रसिंह राठौड़, जितेन्द्रसिंह राठौड़, हिम्मतसिंह चौहान, निष्काम दिवाकर, सावन कुमार चायल, सुमित गोयल, महिपाल सिंह, अश्विनी सिसोदिया, डॉ. तुक्तक भानावत, महेन्द्रपाल सिंह, भूपेन्द्र बाबेल, जितेन्द्र आंचलिया, सुरेश नाहर, रूपेश मेहता, राजकुमार फतावत, गौरीकांत शर्मा, विनयदीपसिंह कुशवाह, सुनील टेलर, मयूरध्वज सिंह, बनाराम चौधरी, राजेन्द्रसिंह राव, शांतिलाल सिंघवी, नितुल चंडालिया, प्रकाशचन्द्र मेनारिया, लोकेशकुमार आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

चिकित्सकों व चार्टर्ड अकाउंटेंट का सम्मान

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विपिन माथुर ने कहा कि एमबी चिकित्सालय में शीघ्र ही किडनी ट्रांसप्लांट शुरू हो जाएगा। वे रोटरी क्लब उदय की ओर से आयोजित चिकित्सक व चार्टर्ड अकाउंटेंट के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि निवर्तमान प्रांतपाल डॉ. निर्मल कुणावत ने कहा कि एमबी हॉस्पिटल में जनता के लिए रोटरी की ओर से आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हॉस्पीटल के साथ बैठक की जाएगी। क्लब की जीएसआर डॉ. सीमासिंह ने कहा कि रोटरी अंतरराष्ट्रीय अपने रोटरी क्लबों के माध्यम से सेवा कार्य करती है।

लायंस क्लब पदस्थापना समारोह

उदयपुर। लायंस क्लब उदयपुर का पदस्थापना समारोह लायंस भवन में हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व बहु प्रांतीय अध्यक्ष द्वारका जालान और पदस्थापना अधिकारी निशांत जैन प्रांतपाल द्वितीय ने शपथ दिलाई। सचिव एमएल अग्रवाल ने बताया कि अध्यक्ष लोकेश कोठारी, सचिव विजय चपलोत ने प्रतिवेदन पढ़ा। पूर्व प्रांतपाल आरएल कुणावत ने शपथ दिलाई।

बड़ाला क्लासेज में शिक्षा मंत्री दिलावर

उदयपुर। शिक्षा मंत्री मदनसिंह दिलावर गत दिनों बड़ाला क्लासेज पहुंचे और छात्रों से वार्ता की। इस अवसर पर उन्होंने 8 अगस्त को मनाए जाने वाले अमृत पर्यावरण महोत्सव की जानकारी दी। उन्होंने प्रत्येक को 50 पौधे लगाने की शपथ दिलाई। बड़ाला क्लासेज के निदेशक सीए राहुल बड़ाला ने शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। निदेशक सीएमए सौरभ बड़ाला व सीए निशांत बड़ाला ने बताया कि कार्यक्रम में शहर विधायक ताराचंद जैन भी मौजूद रहे।

मार्बल व्यापारियों ने सांसद को बताई समस्याएं

उदयपुर। मार्बल एसोसिएशन की ओर से नवनिर्वाचित सांसद मन्नालाल रावत का स्वागत किया गया। अध्यक्ष पंकज कुमार गांगावत ने सांसद के समक्ष उदयपुर मार्बल मंडी की समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उदयपुर मार्बल मंडी पिछले काफी वर्षों से राजनीतिक और प्रशासनिक उदासीनता के कारण विकास से दूर रही। यहां के व्यापारियों का अन्य मार्बल मंडी की तरफ पलायन बढ़ गया है। सांसद ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। सचिव नीरज शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर राजेन्द्र कुमार मोर, कुलदीप जैन, दिलीप गोदावत, महेश गुप्ता, नवीन मोदी, देवेन्द्रसिंह सलूजा आदि उपस्थित थे।

छाबड़ा को 15 अवार्ड

उदयपुर। इनरव्हील क्लब की ओर से गत सत्र में प्राप्त किए गए छह विश्व रिकॉर्ड सहित किए गए अन्य सेवा कार्यों के कारण कोटा में आयोजित इनरव्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट 305 में इनरव्हील क्लब उदयपुर का परचम लहराया। अध्यक्ष चन्द्रकला कोठारी ने बताया कि वर्ष 2023-24 की इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन निशा खांडपुर व प्रांतीय सचिव बीना गुप्ता ने डॉ. स्वीटी छाबड़ा को बेस्ट प्रेसीडेंट अवार्ड दिया। क्लब को टीच एमपावर गोल, अपलिफ्ट एण्ड एमपावर वूमन, कविता बड़जात्या को बेस्ट ट्रेजरार अवार्ड दिया। सचिव डॉ. सीमा चंपावत ने बताया कि डॉ. स्वीटी छाबड़ा के साथ ये पुरस्कार पीडीसी चन्द्रप्रभा मोदी, अध्यक्ष चन्द्रकला कोठारी, आईपीपी रश्मि पगारिया, उपाध्यक्ष रेखा जैन, कोषाध्यक्ष बेला जैन, चन्द्रकला जैन, दिवाज प्रेसिडेंट नैना जैन, पास्ट प्रेसिडेंट रेखा भाणावत, आशा नवाड़िया और आशा श्रीमाली ने ग्रहण किया।

होटल एसोसिएशन : कारोही अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। होटल एसोसिएशन के 2024-26 के चुनाव गत दिनों निर्विरोध संपन्न हुए। अध्यक्ष पद पर सुदर्शन देव सिंह कारोही, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल व उपाध्यक्ष यशवर्धन राणावत चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनदीप सिंह चौहान, मुकेश माधवानी, उषा शर्मा, विकास पोरवाल, तेजिंदर सिंह रोबिन, गौरव कोठारी, निखिल दोषी, डॉ. आकांक्षा गायेल, नरेश भादविया, जोय सुवालका, पृथ्वीराज चौहान व सोनक वर्डिया निर्वाचित हुए। इससे पहले एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा में निवर्तमान अध्यक्ष धीरज दोषी व सचिव जतिन श्रीमाली ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कोषाध्यक्ष रतन टांक ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर चुनाव संयोजक भगवान वैष्णव, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सुवालका, कमल भंडारी, महेन्द्र टाया, विनीत दमानी, दिनेश चावत, राकेश पोरवाल, संजय साहू, रतन टांक, पारस जैन, जितेन्द्र चित्तौड़ा, अशोक जैन मौजूद थे।

रॉयल संस्थान में प्रतिभा सम्मान

उदयपुर। कालका माता रोड स्थित रॉयल संस्थान ने प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा थे। दिलावर ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण के बारे में बताया। रॉयल संस्थान उदयपुर के निदेशक जीएल कुमावत ने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण प्रदान करना भी है। संस्थान द्वारा 51000 पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। प्री.पीजी परीक्षा 2023 सामान्य वर्ग में प्रथम रैंक लाने पर अशोक राठौड़ को अतिथियों द्वारा बाइक देकर सम्मानित किया गया।

रायपुर में 750 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग लगाए

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा रायपुर में आयोजित शिविर में 750 से अधिक दिव्यांगजन को अपर-लोवर कृत्रिम अंग व कैलिपर प्रदान किए गए। शिविर का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। मुख्यमंत्री ने संस्थान संस्थापक कैलाश मानव व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल की दिव्यांगों का जीवन सुगम बनाने की मुहिम की प्रशंसा की। प्रारंभ में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने मुख्यमंत्री व विशिष्ट अतिथियों का पगड़ी, शॉल, उपरणा और स्मृति चिह्न से अभिनंदन किया। शिविर के दौरान दिव्यांगजन के बैडमिंटन व फुलबॉल के संक्षिप्त प्रदर्शन मैच भी हुए। शिविर में 315 ओवर लिंब, 120 अपर लिंब, 80 मल्टीपल और 280 कैलीपर लगाए गए।

25वीं वर्षगांठ मनाई

उदयपुर। हिरणमगरी स्थित एसेंट करियर पॉइंट ने 25वीं वर्षगांठ मनाई। संस्थान के मनोज व मुकेश बिसारती ने बताया कि संस्था ने वर्ष 1999 में उदयपुर में 7 विद्यार्थियों से मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कराना शुरु किया था और 250 से ज्यादा डॉक्टर एवं 100 से ज्यादा इंजीनीयर प्रतिवर्ष चयनित हो रहे है। समारोह में डॉ. आनंद गुप्ता ने कहा कि 25 वर्षों से जो कार्य हो रहा है, वो सराहनीय है। मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं सनराइज ग्रुप के निदेशक डॉ. हरीश राजानी ने कहा कि नीट व जेईई की तैयारी करने वालों के लिए एसेंट मील का पत्थर साबित हो रहा है।

लिंजारा अध्यक्ष व गर्ग सचिव मनोनीत

उदयपुर। रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर उदय की बैठक में अशोक लिंजारा को अध्यक्ष एवं करण गर्ग को सचिव मनोनीत किया गया। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पुनीत गखरेजा, कार्यकारी सचिव शालिनी भटनागर, क्लब लर्निंग फैसिलिटेटर निदेशक डॉ. ऋतु वैष्णव, सदस्यता निदेशक राजेश चुग, क्लब प्रशासन निदेशक ललिता पुरोहित, रोटरी फाउंडेशन निदेशक राघव भटनागर, पब्लिक इमेज निदेशक साक्षी डोडेजा, ग्रिटिंग चेयरमैन डॉ. ऋतु वैष्णव, न्यू जनरेशन एवं इंटरनेशनल चेयरमैन नवीन वैष्णव, साक्षरता एवं शिक्षण चेयरमैन सरिता सुनारिया, वॉश-जल एवं स्वच्छता परियोजना चेयरमैन नवदीप सिंह नैय्यर (काकू), सोशल मीडिया/आईटी और मेरी रोटरी चेयरमैन निधि गर्ग, इवेंट निदेशक आशीष लोहार, फलोशिप चेयरमैन मनप्रीतसिंह खनूजा को शामिल किया गया है।

डॉ. तिवारी को महिला नेतृत्व पुरस्कार

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग की प्रोफेसर व सीनियर वैज्ञानिक डॉ. गायत्री तिवारी को सामाजिक परिवर्तन में उनके अभिनव योगदान के लिए राजस्थान नेतृत्व पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार 26 जून को जयपुर में विश्व महिला नेतृत्व सम्मेलन समारोह में प्रदान किया गया।

निदेशक व अधिष्ठाताओं की नियुक्ति

उदयपुर। एमपीयूएटी के कुलपति डॉ. अजीतकुमार कर्नाटक ने विश्वविद्यालय के अधीनस्थ निदेशालय एवं तीन महाविद्यालयों के निदेशक व अधिष्ठाताओं का चयन कर नियुक्ति दी है। आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशक के पद पर डॉ सुनील जोशी को इलेक्ट्रोनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग में नियुक्त किया गया। डॉ. आरबी दुबे को राजस्थान कृषि महाविद्यालय का डीन नियुक्त किया गया। डॉ. दुबे वर्तमान में एसोसिएट डायरेक्टर बीज एवं फार्म और मक्का की 14 किस्मों के प्रजनक है। इसी प्रकार प्रो. धृति सोलंकी ने सामुदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता पद का कार्यभार ग्रहण किया। सीटीएई के डीन पद पर डॉ. अनुपम भटनागर को नियुक्त किया गया।

छाजेड़ अध्यक्ष व सरूपरिया सचिव

उदयपुर। रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर की बैठक में अनिल छाजेड़ अध्यक्ष एवं भरत सरूपरिया सचिव मनोनीत हुए। इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, उपाध्यक्ष विवेक व्यास, संयुक्त सचिव संजय अग्रवाल, सार्जेंट एट आर्म्स धनेश बांठिया, कोषाध्यक्ष राकेश माहेश्वरी, निवर्तमान अध्यक्ष गिरीश मेहता, अध्यक्ष निर्वाचित दीपक मेहता, अध्यक्ष मनोनीत श्रीचंद खथुरिया, निदेशक क्लब सेवा माणिक नाहर, निदेशक सामुदायिक सेवा डॉ. अनिल कोठारी, निदेशक अंतरराष्ट्रीय सेवा वीरेन्द्र सिरोया, प्रोग्राम कमेटी चेयरमैन निर्मल सिंघवी, रोटरी सर्विस ट्रस्ट चेयरमैन एलएस कर्णावट, बुलेटिन संपादक ओपी सहलोत, क्लब ट्रेनर पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी, रमेश चौधरी, डॉ. निर्मल कुणावत, क्लब सलाहकार सतीश जैन, डॉ. अजय मुर्डिया, रमेश सिंघवी, अतिरिक्त सलाहकार अंशुल मोगरा, सज्जन सेठ मनोनीत हुए।

अमरखजी का प्रथम पाटोत्सव

उदयपुर। शहर के प्राचीन शिवधाम अमरखजी महादेव का प्रथम पाटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। अमरखजी संरक्षण मंडल के तत्वावधान में हुए सत्संग संवाद में जेआर नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल शिवसिंह सारंगदेवोत ने गुरुकुल परम्परा की आवश्यकता पर जोर दिया और समाज के उत्थान के लिए इस ओर हरसंभव प्रयास का आश्वासन दिया। शांतिपीठ के प्रमुख अनंत गणेश त्रिवेदी ने कहा किअमरखजी एक दिव्य विरासत है, जिसका संरक्षण कड़े संघर्ष के बाद हो सका। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष रामचन्द्रसिंह झाला ने दिव्य विरासतों को प्रकृति प्रेरणा के स्रोत बताया।

जिंक कर्मियों द्वारा 32 यूनिट रक्तदान

उदयपुर। विश्व रक्तदाता दिवस पर हिन्दुस्तान जिंक डिस्पेंसरी में रेडक्रॉस सोसायटी के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने शिविर में पहुंच कर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया एवं सभी से रक्तदान करने का आह्वान किया। शिविर में हिन्दुस्तान जिंक यशद भवन के 32 महिलाएं भी सम्मिलित थीं। रक्तदान शिविर के दौरान हिन्दुस्तान जिंक के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्णमोहन नारायण, एचआर हेड मुनिश वासुदेव एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी सलमा शाह सहित कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

एक्मे सीएमडी का अभिनंदन

उदयपुर। एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड के सीएमडी निर्मल कुमार जैन का उदयपुर में स्वागत किया गया। कंपनी अपना आईपीओ लाकर 26 जून को एनएसई एवं बीएसई पर लिस्ट हुई, जिसकी लिस्टिंग सेरेमनी मुम्बई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सभागार में हुई थी। लिस्टिंग के बाद निर्मल कुमार जैन का पहली बार उदयपुर आगमन हुआ।

डॉ. मेहता को बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड

उदयपुर। 47वं कांग्रेस ऑफ यूरोपियन सोसायटी ऑफ लिम्फोलॉजी इस्तांबुल तुर्की में राजस्थान विद्यापीठ के डॉ. शैलेन्द्र मेहता को कैंसर पुनर्वास के लिए बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड से नवाजा गया। विश्व के लगभग 200 चिकित्सकों एवं पुनर्वास विशेषज्ञों ने भाग लिया।

लाठर मुख्य सूचना आयुक्त

जयपुर। राज्य सूचना आयोग में भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी मोहन लाल लाठर को मुख्य सूचना आयुक्त तथा तीन अन्य पूर्व अधिकारियों को सूचना आयुक्त बनाया गया है। सूचना आयुक्त नियुक्त होने वालों में सुरेशचन्द्र गुप्ता व महेन्द्रकुमार पारख पूर्व आईएएस अधिकारी है, जबकि टीकाराम शर्मा विधि रचना सेवा के पूर्व अधिकारी हैं।

चन्द्रकला अध्यक्ष, डॉ. सीमा सचिव

उदयपुर। इनरव्हील क्लब उदयपुर की वर्ष 2024-25 की नई कार्यकारिणी का मनोनयन गत दिनों हुआ। कार्यकारिणी में चंद्रकला कोठारी अध्यक्ष एवं डॉ. सीमा चंपावत सचिव नियुक्त की गई।

दिग्विजय श्रीमाली बने अध्यक्ष

उदयपुर। श्रीमाली ब्राह्मण समाज संस्था मेवाड़ के नवनिर्चाचित अध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली ने पदभार ग्रहण किया। संस्कार भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में दिग्विजय श्रीमाली ने सभी को आश्वस्त किया कि वे अपने पांच साल के कार्यकाल में समाज को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। मुख्य अतिथि सुरेश श्रीमाली द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं प्रेषित की गई, निवर्तमान अध्यक्ष मोहनलाल श्रीमाली ने समाज को और आगे ले जाने व मिलकर काम करने का संदेश दिया।

रामलाल साहू वरिष्ठ मंत्री मनोनीत

उदयपुर। अखिल भारतीय तेली महासभा के राष्ट्रीय संयोजक एवं राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक सत्यनारायण मंगरोरा की अनुशंसा पर अखिल भारतीय तेली महासभा के राष्ट्रीय वरिष्ठ मंत्री के रूप में उदयपुर के रामलाल साहू को मनोनीत किया गया है।

मंथन का विमोचन

उदयपुर। पेंशनर्स समाज उदयपुर की ओर से प्रकाशित मंथन 2024 का विमोचन अतिरिक्त निदेशक पेंशन उदयपुर संभाग भारती राज, उदयपुर सहकारी उपभोक्ता भंडार के महाप्रबंधक राजकुमार खांडीया व उद्योगपति ललित पानेरी ने किया। पेंशनर समाज के अध्यक्ष भंवर सेठ, कृष्णचन्द्र श्रीमाली, ओंकार मेवाड़ा, वरदान मेहता, भंवरसिंह राठौड़, बाबूलाल जैन आदि ने संबोधित किया। संचालन कुसुम माहेश्वरी एवं मुरलीधर गट्टानी ने किया।

डॉ. माथुर को रोटरी अंतरराष्ट्रीय अवार्ड

उदयपुर। रोटरी क्लब एलीट द्वारा आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. विपिन माथुर को एक्सीलेंस इन सर्विस टू ह्यूमेनिटी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार क्लब के डिस्ट्रिक गर्वनर निर्मल कुणावत ने भीलवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदान किया।

मेवाड़ गौरव सम्मान से सम्मानित उदयपुर की प्रतिभाएं

उदयपुर। मेवाड़ के 10वीं एवं 12वीं परीक्षा में 80 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले 240 से अधिक प्रतिभाओं को विद्याभवन ऑडिटोरियम में मेवाड़ सिर्टिफिकेट, ट्रॉफी एवं मेडल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वेक्टर अकादमी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि जिला प्रमुख ममता कुंवर थी। विशिष्ट अतिथि पूर्व अतिरिक्त जिला कलेक्टर यासीन पठान, गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज के डायरेक्टर डॉ. पी.के. जैन, गोविंद दीक्षित एवं प्रदीप श्रीमाली थे।

जोशी समस्या निवारण समिति के सदस्य

उदयपुर। लघु उद्योग भारती उदयपुर जिलाध्यक्ष मनोज जोशी को राजस्थान औद्योगिक समस्या निवारण समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। लघु उद्योग भारतीय की राजस्थान प्रदेश इकाई की भीलवाड़ा में हुई बैठक में राजस्थान औद्योगिक समस्या निवारण समिति गठन किया गया। संयोजक जयपुर के महेन्द्र खुराना को नियुक्त किया गया, वहीं उदयपुर जिलाध्यक्ष एवं चित्तौड़ प्रांत के प्रचार प्रभारी मनोज जोशी को सदस्य मनोनीत किया गया।

देवड़ा प्रदेश सचिव नियुक्त

उदयपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं माली सैनी समाज के वरिष्ठ सदस्य उत्तम देवड़ा को राजस्थान प्रदेश माली महासभा के प्रदेश महामंत्री भवानी शंकर माली ने महासभा का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है।

वर्मा, द्विवेदी व यादव बने बॉम सदस्य

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में तीन शिक्षकों को बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट (बॉम) का सदस्य मनोनीत किया गया है। अधिष्ठाता कोटे से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के डीन प्रो. हेमंत द्विवेदी तथा वाणिज्य एवं प्रबंध महाविद्यालय के डीन प्रो. बीएल वर्मा को बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट का सदस्य बनाया है। इसी प्रकार प्रोफेसर कोटे से चीफ प्रॉक्टर व समाज विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. पूरणमल यादव को बॉम का सदस्य मनोनीत किया गया है।

पोसवाल सिकलसेल एडवाइजर

उदयपुर अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा संघ ने उदयपुर के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. लाखन पोसवाल को सिकलसेल के मामले में एडवाइजर मनोनीत किया है। उनका कार्यकाल दो साल तक रहेगा। उदयपुर से पहली बार किसी चिकित्सक का अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस पद पर मनोनयन हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा संघ के अध्यक्ष कार्यकारी निदेशक डॉ. नवीन ठाकर ने इसकी घोषणा की।

बाल शूटरों ने जीते पदक

उदयपुर। जयपुर में संपन्न डब्ल्यूएनटी पिंकसिटी शूटिंग चैम्पियनशिप में बीएन शूटिंग रेंज के नन्हे निशानेबाज ने पदक जीते। कपिश तोमर ने गोल्ड मैडल और दिग्विजय ने सिल्वर मैडल जीता। कोच डॉ. जितेन्द्रसिंह मायदा ने बताया कि दोनों की उम्र 12 वर्ष है।

जयदीप का बेहतर परिणाम

उदयपुर। जयदीप सैकण्डरी स्कूल ने इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में एक बार फिर बेहतर परिणाम दिए। स्कूल ने 8वीं, 10वीं और12वीं कक्षाओं में हिंदी और अंग्रेजी माध्यम से पढ़ रहे सभी छात्रों ने 100 प्रतिशत सफलता प्राप्त की है। इस साल के टॉपर केशव अरोड़ा रहे, जिन्होंने 10वीं कक्षा की परीक्षा 94 प्रतिशत अंक हासिल किए। स्कूल के प्रमुख डॉ. देवेन्द्र कुमावत ने इस सफलता पर खुशी व्यक्त की और कहा कि छात्र-छात्राओं का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन हमें गर्वान्वित करता है। इसमें शिक्षकों की अहम भूमिका थी।

चित्तौड़ा को डॉ. लक्ष्यराजसिंह के हाथों वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र

उदयपुर। नगर के सूक्ष्म कृति शिल्पकार चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा को सबसे छोटी पतंग (एक गुणा एक मिलीमीटर) बनाने पर जयपुर में प्रदत्त इनफ्ल्यूसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र को यहां डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने उन्हें प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने मैग्निफाई ग्लास से पतंग को भी देखा और सराहा। इस अवसर पर मेवाड़ सगसजी लोक सेवा संस्थान के अध्यक्ष कुंवर विजयसिंह कच्छवाह, विधि सोनी एवं समाजसेवी गोविंदलाल ओड भी उपस्थित थे।

कच्छारा अध्यक्ष व सेठ महासचिव

उदयपुर। महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान की बैठक में सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्षों के लिए चौसरलाल कछारा को संस्थान का अध्यक्ष एवं भंवर सेठ को संस्थान का महासचिव चुना गया। आगामी 25 अगस्त को स्थापना दिवस व 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर रैली का आयोजन एवं 80 वर्ष की आयु प्राप्त सदस्यों का सम्मान किया जाएगा।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। शहर के आशा धाम संस्थान की संस्थापिका सिस्टर डेमियन का 9 जून को स्वर्गवास हो गया। सिस्टर डेमियन की आयु करीब 85 वर्ष थी। आशा धाम की स्थापना 19 नवम्बर 1997 को उन्होंने ही की। इस आश्रम में बेसहारा और निरश्रित बच्चों को रखा जाता है। सिस्टर डेमियन का जन्म 16 जनवरी 1940 को पुनुर (केरल) में हुआ।

उदयपुर। श्री हरिप्रकाश जी सुवालका (75) का 15 जून को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल पुत्र बृजराज व रोहित, पुत्रियां श्रीमती सीता चौधरी, हेमलता मेवाड़ा, पूजा देवी, प्रीति व पूनम देवी सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। डॉ. बी.एल सिरोया (सेवा भारती) का 30 जून को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती शांता देवी, पुत्र सौरभ, पुत्रियां श्रीमती श्वेता सहलोत व सुरभि मेहता तथा भाई-भतीजों व पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। धर्म परायणा श्रीमती विमलादेवी जी (धर्मपत्नी स्व. श्री लाल सिंह जी जाट) का 6 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र गोपाल सिंह, राजकुमार, मान सिंह एवं गजेन्द्र सिंह जाट, पुत्री मंजू देवी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों सहित वृहद दगोलिया जाट परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री भूपेश जी राजोरा कुरज वाला का 25 जून को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती शालिनी देवी, पुत्र हार्दिक, पुत्री शिवानी, भाई-भतीजे एवं भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री हस्तीमल जी कोठारी (कठार) का 10 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती यशोदा देवी पुत्रवधू (स्व. श्री मनोज), विकास पुत्रिया श्रीमती किरण चौपड़ा व बीना बया, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों, भाई-भतीजों सहित वृहद कोठारी-कठार वाला परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री अनिल जी बोर्दिया का 5 जुलाई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र लविश, पुत्रियां मोनिषा दुग्गड़ व रोमिषा मेहता बहन-बहनोई, चाचा-चाची, दोहित्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। समाजसेवी श्री मोहन सिंह जी दलाल (सुराना) का 21 जून को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र राजीव, पुत्रियां श्रीमती सुमित्रा वर्डिया, पुष्पा बापना व अनिता तलेसरा, भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती मनोहर बाई जी कोठारी खेरोदावाला का 17 जून को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त पुत्र रमेश, अशोक, ललित, सुनील व रणजीत कोठारी, पुत्रियां श्रीमती कांता मेहता, निर्मला गेलड़ा, रंजना चोरड़िया, सुनीता बाबेल, सरोज मारवाड़ी, संगीता डागलिया व ममता लोढा सहित पौत्र-पौत्रियों, देवर देवरानी, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री भाग चंद जी कालिका का 21 जून को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती मीना देवी, पुत्र भावेश व मनीष, पुत्री श्रीमती भावना काला, भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों एवं दोहित्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती रेखा शर्मा (जिला न्यायाधीश) का स्वर्गवास 19 जून को हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पति उपेन्द्र शर्मा (जिला न्यायाधीश) सासु मां श्रीमती शीला, पुत्र मोहक शर्मा, देवर-देवरानी एवं भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गई हैं।

कोटा। श्रीमती सावित्री देवी जी धर्मपत्नी स्व. रामनारायण जी शर्मा का 10 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त पुत्र दीपक, पंकज, नीरज, पुत्रियां निर्मला देवी, उर्मिला देवी, पौत्र-पौत्रियां, दोहित्र-दोहित्रियां एवं भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। एडवोकेट गजेन्द्र सिंह सोलंकी का 5 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय माताजी श्रीमती सुशीला देवी, धर्मपत्नी श्रीमती अंजना, पुत्र हेमप्रताप सिंह, व हीर प्रताप सिंह व भाई-भतीजों, बहिन, भानेज का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती लक्ष्मी देवी जी दशोरा धर्मपत्नी स्व. श्री बापूलाल जी दशोरा का 20 जून को निधन हो गया। वे 89 वर्ष की थीं। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र गोपाल कृष्ण दशोरा (सेवा निवृत्त आरएएस), पुत्री गिरिजा देवी एवम् पौत्र, प्रपौत्र एवं दोहित्रों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

प्रत्यूष परिवार की हार्दिक श्रद्धांजलि

JAIDEEP SHIKSHAN SANSTHAN UDAIPUR
Jaideep Shikshan Sansthan
Modern Complex, Bhuwana, Udaipur
Providing Inclusive Education since 1985
Tel No. 9460028679, 7891445401 | Email: jaideepschool85@gmail.com
Jaideep Senior Secondary School, Modern Complex, Bhuwana
Jaideep Public School, Modern Complex, Bhuwana
The Kids Paradise, Modern Complex, Bhuwana
Jaideep Upper Primary School, Chitrakoot Nagar, Bhuwana
Jaideep Middle School, Dagliyo Ki Magri, Bhuwana
Dr. Devendra Kumawat Director
Mrs. Madhu Kumawat Asst. Director
Er. Vivek Kumawat Technical Director
Er. Niharika Kumawat Administrator
English & Hindi Medium
100% Board Results | Well Equipped Labs | Smart Classrooms |
CCTV covered campus | Sports Club | Lush Green Campus | Transportation Facilities

LAUREATE HIGH SCHOOL
Education is the most powerful weapon which you can use to change the world
SURBHI KHATRI
- Director
www.laureatehighschool.com
LHS, Behind BSNL Office, Sec-4, Udaipur
+91 86969-98806
LAUREATE HIGH SCHOOL

Happy Independence Day

Ankit Jain
Director

Galaxy
Infrastucture

GALAXY EMERALD APARTMENT, Near Aiyappa Temple,
Pragari Nagar, Shobhagpura, Udaipur (Raj.) Mob.: +91 9887056669

BHUPAL NOBLES' SANSTHAN, UDAIPUR

1923 - 2024

Vidya Pracharini Sabha, Udaipur, Rajasthan (Estd. 1923)
www.bnsansthan.org

Pioneer Institute of Academic Excellence since last 101 years providing Quality Education and Career Base to students to become Noble Citizens of the Society.
Equipped with the latest and Hi-tech state-of-the-Art educational facilities. Post Matric Fellowship of State Govt. and other scholarships available.

Bhupal Nobles' P.G. College (Co-Education)

Bhupal Nobles' P.G. Girls' College, Udaipur

Faculty of Social Sciences & Humanities (Arts) (Contact - 9414156180)

B.A. • All subjects **B. Lib.** • **M. Lib.** • **M.S.W.** • **M.J.M.C.**

M.A. • Political Science, History, Sociology, English Lit., Hindi Lit. Geography Economics, Public Administration, Psychology, Drawing & Painting, Home Science, Sanskrit

Ph.D. • Political Science, History, Sociology, English Lit., Geography Economics, Public Administration, Psychology, Visual Art, Home Science , Hindi Lit.

Faculty of Commerce (Contact - 9413318919)

B.Com, M.Com • ABST, Bus. Adm., Banking & Business Economics
Ph.D. • ABST, Bus. Adm., Banking & Bus. Economics
Hotel Mgt. • BHM • B.Voc in Tourism and Hospitality M.T.T.M.

Faculty of Management - (9928889110)

• **B.B.A.** • **M.B.A** • **Ph. D.**

Faculty of Science (Contact - 9928996640)

B.Sc. • Botany, Mathematics, Computer Science, Biotech
B.Sc. Bio-Technology (Honours) B.C.A. • **PGDCA**
M.Sc. • Physics, Mathematics, Chemistry, Bio-technology, Botany, Zoology Computer Science, Microbiology, Statistics, Geology.
Ph.D. • Physics, Mathematics, Chemistry, Bio-technology, Botany, Zoology, Computer Science.

Faculty of Pharmacy (Contact – 9660789256)

• **B.Pharma** • **D. Pharma**
• **Pharm D** • **Pharm D – (PB)**
M.Pharma • Pharmaceutics, Pharmacology, Pharm Chemistry Quality Assurance
Ph.D. • Pharmaceutics, Pharmacology, Pharm Chemistry, Pharmacognosy

Bhupal Nobles' College of Pharmacy

Ph.- 0294-2413182, 9660789256

Bhupal Nobles' Institute of Pharmaceutical Sciences

Ph. 0294-2410406, 9413174956

Faculty of Agriculture (Contact - 9414736598)

• **B.Sc. (Honours)** • Agriculture
• **M.Sc. HDFS** • **Ph.D.**

Faculty of Education (Contact - 9414785706)

• **BA. B.Ed., B.Sc. B.Ed., B.Ed. (2 Yrs)** • **M.A. Education** • **Ph. D.**

Faculty of Physical Education (9314495356)

• **B.P.Ed., M.P.Ed., Diploma (Yoga)** • **M.A. (Yoga)** • **Ph. D.**

Faculty of Law (Contact -9461530320)

• **LLB** • **LLM** • **B.A. LLB** (Integrated) • **Ph. D.**

Pratap Shodh Pratishthan (9828338900)

Historical & Cultural Research Centre.

Bhupal Nobles' Sr. Sec. School (RBSE) (Contact - 9950835948)

Email : bnsss1923@gmail.com Ph. 0294-2423952

Bhupal Nobles' Public School (CBSE) English Medium

Email : bnpublicudaipur@rediffmail.com
Ph. 0294-2426018, 7014355344, **Nursery to XII Classes.**
Stream: Science ; Maths, Biology, Agriculture, Commerce and Humanities (Arts) All Subjects.

Bhupal Nobles' Girls' P.G. College, Rajsamand

(Affiliated to M.L.Sukhadia University, Udaipur)
Email: bngc.kankroli@gmail.com Ph. 02952-230707, 9414158352, 9828579061
B.A., B.Com, BBA, B.Sc., BCA, M.A., M.Sc. (Chemistry), M.Com.(Bus. Adm.) M.A. (Sociology, Geography, Sanskrit, Hindi Lit.)

Bhupal Nobles' Girls' College, Salumber

(Affiliated to M.L.Sukhadia University, Udaipur)
Email: bngirlssalumber@gmail.com Ph. 02906- 232411, 9829751253
B.A., B.Com.

Other Facilities

• Maharana Raj Singh Swimming Pool • Maharana Mahendra Singh Gymnasium • Bhupal Nobles' Sports Shooting Range • Bhupal Nobles' Cricket Academy • Bhupal Nobles' BasketBall Academy

ADMISSION OPEN 2024-25
For any Admission releated query
Contact- 9376769113

Hostel Facility Available for Girls & Boys Separately
Contact : 0294-2417181, 9376769108

Bhupal Nobles' University

Email – registrar@bnuniversity.ac.in 0294- 2414497, 2414498 www.bnuniversity.ac.in

Rajasthan State Mines and Minerals Limited, Udaipur, India

(A Premier PSU of Government of Rajasthan)

CIN U14109RJ1949SGC000505 GSTIN 08AAACR7857H1Z0

- India's only producer of SMS grade Limestone and also the largest producer of natural Gypsum and Rock Phosphate.
- Mining Operations: Rock Phosphate (Udaipur), Lignite (Nagaur & Barmer), Limestone (Jaisalmer) and Gypsum in western Rajasthan.
- Green Energy: 106.3 MW Wind Power Project at Jaisalmer & 5 MW Solar Power Plant near Gajner in Bikaner district.
- First PSU in India to earn foreign exchange by trading Carbon Credit in international market.
- RSPCL, a subsidiary of RSMML has been formed for development of Oil & Petroleum sector in Rajasthan.
- RSGL, a JV company with GAIL (India) Ltd. has been formed for developing City Gas Distribution network in Rajasthan.

CORPORATE OFFICE

4, Meera Marg, Udaipur - 313 004, Tel. : +91-294-2428763-67, Fax : +91-294-2428770, 2428739, e-mail: info.rsmml@rajasthan.gov.in

REGISTERED OFFICE

C-89/90, Janpath, Lal Kothi Scheme, Jaipur - 302 015, Tel. : 0141-2743734, Fax : 0141-2743735

Visit us at www. rsmm. com

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 4, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001